PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

"रिश्तों की असली कीमत शब्दों से नहीं, समय और व्यवहार से तय होती है।जो इंसान आपके कठिन समय में साथ खड़ा रहे, वही जीवन का सच्चा धन है।"

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-179 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 23 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'कॉकरोच जनता पार्टी' : मज़ाक, आक्रोश या व्यवस्था के खिलाफ डिजिटल विद्रोह?

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में समय-समय पर ऐसे जनआंदोलन उभरे हैं, जिन्होंने सत्ता और व्यवस्था को आईना दिखाने का काम किया है। कभी यह आंदोलन सड़कों पर दिखाई दिए, तो कभी सोशल मीडिया के माध्यम से जनभावनाओं का विस्फोट बनकर सामने आए। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर तेजी से उभरे "कॉकरोच जनता पार्टी" नामक डिजिटल अभियान ने भी कुछ ऐसे ही सवाल खड़े किए हैं। यह केवल एक व्यंग्यात्मक नाम या इंटरनेट ट्रेंड नहीं, बल्कि युवाओं के भीतर पनप रहे आक्र ोश, असुरक्षा और व्यवस्था के प्रति अविश्वास का संकेत माना जा रहा है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

इस पूरे विवाद की शुरुआत भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की उस टिप्पणी से हुई, जिसमें कुछ बेरोजगार युवाओं और व्यवस्था पर हमला करने वाले तत्वों को "कॉकरोच" और "पैरासाइट" जैसे शब्दों से जोड़े जाने का आरोप लगा। बाद में मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी को गलत संदर्भ में प्रस्तुत किया गया और उनका इशारा फर्जी डिग्री के सहारे व्यवस्था में प्रवेश करने वालों की ओर था, ना कि समस्त बेरोजगार युवाओं की ओर। लेकिन तब तक सोशल मीडिया पर यह मुद्दा भावनात्मक रूप ले चुका था। इसी पृष्ठभूमि में विदेश में बैठे एक युवक द्वारा शुरू किया गया "कॉकरोच जनता पार्टी" नामक व्यंग्यात्मक डिजिटल मंच देखते-देखते लाखों युवाओं का केंद्र बन गया। रिपोर्टों के अनुसार, इस मंच ने बहुत कम समय में करोड़ों फॉलोअर्स आकर्षित कर लिए, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि देश का युवा वर्ग भीतर ही भीतर गहरे असंतोष से गुजर रहा है। यह आंदोलन केवल एक शब्द के विरोध तक सीमित नहीं दिखाई देता। इसके पीछे बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली, पेपर लीक, अवसरों की कमी और राजनीतिक दलों से निराशा जैसी कई वजहें जुड़ी हुई हैं। हाल ही में हुए NEET परीक्षा विवाद और पेपर लीक के आरोपों ने लाखों छात्रों और अभिभावकों के मन में गहरा अविश्वास पैदा किया। ऐसे समय में जब युवा वर्ग भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहा हो, तब किसी भी संवेदनशील टिप्पणी का बड़ा सामाजिक और राजनीतिक असर होना स्वाभाविक है। भारत की राजनीति का इतिहास बताता है कि जब भी व्यवस्था और जनता के बीच दूरी बढ़ी है, तब नए वैचारिक या राजनीतिक विकल्प उभरकर सामने आए हैं। अन्ना हज़ारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से लेकर नई राजनीतिक शक्तियों के उदय तक, जनता ने समय-समय पर अपने गुस्से को लोकतांत्रिक माध्यमों से व्यक्त किया है। आज सोशल मीडिया उसी लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का नया मंच बन चुका है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब आंदोलन जंतर-मंतर की सड़कों पर नहीं, बल्कि मोबाइल स्र्‍ीन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दिखाई देते हैं। हालांकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ऐसे आंदोलनों को केवल भावनात्मक उबाल के रूप में नहीं देखा जाए। लोकतंत्र में असहमति और विरोध स्वाभाविक हैं, लेकिन यदि कोई डिजिटल मंच जनभावनाओं को भड़काकर अराजकता या संस्थाओं के प्रति अविश्वास फैलाने का माध्यम बन जाए, तो यह राष्ट्रीय चिंता का विषय भी बन सकता है। विशेष रूप से तब, जब उसके संचालन और वित्तीय या वैचारिक स्रोत देश के बाहर से जुड़े हों। इसलिए इस पूरे घटनार्‍ म को गंभीरता से समझने की आवश्यकता है।

सरकार और एजेंसियों के लिए भी यह एक चेतावनी है कि युवा वर्ग के भीतर बढ़ रही बेचैनी को केवल "ट्रोल संस्कृति" या "मीम राजनीति" कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। जब लाखों युवा किसी व्यंग्यात्मक प्रतीक के पीछे खड़े दिखाई दें, तो यह संकेत है कि वे व्यवस्था से संवाद चाहते हैं। बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार, महंगाई और अवसरों की कमी जैसे मुद्दों पर ठोस समाधान के बिना केवल प्रचार और राजनीतिक भाषण युवाओं का भरोसा वापस नहीं ला सकते। दूसरी ओर विपक्षी दलों के लिए भी यह आत्ममंथन का समय है। यदि जनता सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक "कॉकरोच जनता पार्टी" जैसे मंचों में विकल्प तलाश रही है, तो इसका अर्थ है कि पारंपरिक विपक्ष भी जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पा रहा। लोकतंत्र में खाली स्थान कभी खाली नहीं रहता–वह किसी ना किसी नए विचार, आंदोलन या नेतृत्व से भर जाता है।

अंततः, "कॉकरोच जनता पार्टी" चाहे एक व्यंग्यात्मक डिजिटल ट्रेंड हो या अस्थायी जनभावना, लेकिन इसने भारतीय राजनीति और समाज को एक गंभीर संदेश जरूर दिया है–देश का युवा केवल नारों से संतुष्ट नहीं है। वह सम्मान, रोजगार, पारदर्शिता और जवाबदेही चाहता है। यदि व्यवस्था इन आवाजों को सुनने के बजाय दबाने का प्रयास करेगी, तो असंतोष और गहरा हो सकता है। लोकतंत्र की खूबसूरती इसी में है कि जनता समय-समय पर सत्ता और व्यवस्था को आईना दिखाती रहती है। अब यह सरकार, विपक्ष और संस्थाओं पर निर्भर करता है कि वे इस आईने में दिख रही तस्वीर को समझते हैं या उसे केवल "सोशल मीडिया का शोर" मानकर अनदेखा कर देते हैं।

केंद्र सरकार को प्रमोट कर रहे CJI - विनोद जाखड़

सीकर में NEET पेपर रद्द के विरोध में आक्रोश मार्च, NSUI कार्यकर्ता हुए शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । सीकर में NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा- केंद्र सरकार और CJI सब मिले हुए हैं। प्रधानमंत्री ने पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील की तो CJI साइकिल पर निकल पड़े। जाखड़ ने कहा- देश के CJI केंद्र सरकार को प्रमोट कर रहे हैं। सीकर में NEET पेपर रद्द होने? के विरोध में शुर्‍ वार को कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। इसमें शामिल होने आए विनोद जाखड़ ने यह कहा।

उन्होंने कहा- जब डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब भी आर्थिक मंदी आई थी। सरकार ने किसी को गहने खरीदने और देश से बाहर जाने से मना नहीं किया था। वहीं पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए भी नहीं कहा था। जाखड़ ने कहा- केंद्र सरकार के पास कोई पॉलिसी नहीं है। केंद्र सरकार पूरी तरह विफल है और दोस्तों के लिए काम कर रही है।

जाखड़ ने कहा- NTA बनी भ्रष्टाचार का अड्डा

आक्रोश मार्च में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। NEET पेपर रद्द से आहत होकर सुसाइड करने वाले स्टूडेंट्स को CLC चौक पर कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। विनोद जाखड़ ने कहा- राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी NTA अब भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है, इसलिए इसे भंग करके नई एजेंसी से राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं करवाई जानी चाहिए। पिछले 10 साल में 89 बार पेपर लीक हो चुके हैं। 10 दिन में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं लिया गया तो हजारों छात्रों के साथ कूच किया जाएगा और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के घर का घेराव किया जाएगा।

यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष की गाड़ी निकली रॉन्ग साइड

आक्रोश मार्च के दौरान ज्यादा भीड़ होने के कारण ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया। इसी बीच यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष की फॉर्चूनर रॉन्ग साइड से गुजरने लगी तो पुलिसकर्मियों ने गाड़ी को रोक दिया। गाड़ी के दोनों साइड पैडस्टल पर युवक सवार थे। पुलिस ने युवकों को उतारा फिर गाड़ी को रवाना किया।

आक्रोश मार्च निकाला

सीकर में NSUI जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश और प्रदेश मंत्री महेश चौधरी के नेतृत्व में पिपराली सर्किल से CLC चौक तक आक्रोश मार्च निकाला गया। इस दौरान एडिशनल ASP डॉ. तेजपाल सिंह और DSP संदीप सिंह के नेतृत्व में 7 थानों का पुलिस जाब्ता और RAS जवानों के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। **विनोद जाखड़ ने कहा-** केंद्र सरकार ने देश के सारे जंगल काट दिए। केंद्र सरकार पारदर्शी एग्जाम नहीं करवा पा रही है। केंद्र सरकार रोजगार देने में कामयाब नहीं है। युवाओं को कीड़ा-मकोड़ा समझती है तो अब ये कीड़े-मकोड़े सरकार से अपना अधिकार लेंगे और दीमक की तरह सरकार को चट कर जाएंगे।

जैव विविधता समय की सबसे बड़ी आवश्यकता : विजेंद्र कुमार

स्काउट-गाइड अभिरुचि शिविर में विश्व जैव विविधता दिवस मनाया, पोस्टर व मुखौटा प्रतियोगिता में शिविरार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनू के तत्वावधान में जे.के. मोदी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, झुंझुनू में आयोजित जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन अभिरुचि कला-कौशल प्रशिक्षण शिविर के दौरान विश्व जैव विविधता दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यर्‍ म का आयोजन जिला पर्यावरण संयोजक विजय डारा के मुख्य आतिथ्य एवं सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमावत की अध्यक्षता में किया गया।कार्यर्‍ म में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए व्याख्याता विजेंद्र कुमार ने कहा कि जैव विविधता का संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने पक्षियों के संरक्षण के लिए घरों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर पानी के परिंडे व घोंसले लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जन्मदिन पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और केवल पौधा लगाने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसकी नियमित देखभाल कर उसकी जीवितता भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

पॉलिथीन का बहिष्कार और जल संरक्षण पर दिया जोर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा जयपाल सिंह मीणा ने वर्षा जल संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बारिश के पानी को बचाकर उसका उपयोग करना आज के समय की बड़ी जरूरत है। भूमि की उर्वरता बनाए रखने के लिए पॉलिथीन का बहिष्कार करना आवश्यक है। उन्होंने शिविरार्थियों को स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यर्‍ म की अध्यक्षता कर रहे पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमावत ने पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, जल, भूमि और वायु सभी मिलकर जैव विविधता का निर्माण करते हैं। इनके संरक्षण के बिना मानव जीवन की कल्पना संभव नहीं है।

संचालक दल और शिविरार्थी रहे मौजूद

कार्यर्‍ म में शिविरार्थियों के साथ ग्राम विकास विभाग संयोजक चिरंजीलाल शर्मा, संचालक दल के रामचंद्र मीणा, अंजू सैनी, सरिता, समदर लाल सैनी, रामसिंह कुलहरी, दिनेश कुमार, संजू कुमावत, रोहित मील सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यर्‍ म का संचालन सहायक संचालक रामसिंह कुलहरी ने किया। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, संचालक दल और शिविरार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, पॉलिथीन मुक्त जीवन और जैव विविधता संरक्षण का संकल्प दिलाया।

अभिरुचि शिविर से कौशल विकास का अवसर

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी झुंझुनू सुनीता यादव ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का श्रेष्ठ माध्यम हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी रुचि के अनुसार विशेष कौशल विकसित करने और शिविर में सीखी गई बातों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस दौरान मुख्य वक्ता विजेंद्र कुमार ने शिविरार्थियों को पॉलिथीन इधर-उधर नहीं फेंकने की सीख दी। उन्होंने विद्यार्थियों को घरों में खाली बोतलों में पॉलिथीन भरकर प्लास्टिक ब्रिक्स बनाने के लिए प्रेरित किया, ताकि पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया जा सके और पशु-पक्षियों को पॉलिथीन के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके।

पोस्टर और मुखौटा प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मकता

सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि विश्व जैव विविधता दिवस के अवसर पर शिविर में मुखौटा बनाओ एवं जैव विविधता संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में शिविरार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। मुखौटा बनाओ प्रतियोगिता में सुहाना, सना, खुशबू एवं साजिया खान ने र्‍ मशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार पोस्टर प्रतियोगिता में यशस्वी झीरवाल, जास्मीन, आसमा और अप्सरा ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यर्‍ म में सम्मानित किया जाएगा।

नवीन जॉब चार्ट के विरोध में आयुर्वेद नर्सेज 25 मई को अजमेर में करेंगे प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

आयुर्वेद निदेशालय द्वारा जारी नवीन जॉब चार्ट के विरोध में आयुर्वेद नर्सेज ने आंदोलन तेज कर दिया है। झुंझुनूं जिला अध्यक्ष नरेश कुमार यादव ने बताया कि निदेशालय ने नर्सेज संगठनों की बात सुने बिना केवल चिकित्सकों के सुझावों के आधार पर जॉब चार्ट लागू करने का प्रयास किया है, जिसका नर्सेज विरोध कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 25 मई 2025 को अजमेर स्थित आयुर्वेद निदेशालय पर पूरे राजस्थान के आयुष नर्सेज धरना-प्रदर्शन, घेराव और तालाबंदी कर विरोध दर्ज करवाएंगे। जब तक नर्सेज की बात नहीं सुनी जाएगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। यादव ने बताया कि प्रदर्शन में झुंझुनूं जिले से भी सैकड़ों आयुर्वेद नर्सेज भाग लेंगे। नर्सेज संगठनों ने विभाग से मांग की है कि नवीन जॉब चार्ट लागू करने से पहले नर्सेज प्रतिनिधियों से वार्ता कर उनकी आपत्तियों और सुझावों को शामिल किया जाए।

थली गांव में शहीद रामजीलाल गुर्जर को पुण्यतिथि पर किया नमन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

उपखंड के थली गांव में शुर्‍ वार को शहीद रामजीलाल गुर्जर की पुण्यतिथि उनके प्रतिमा स्थल पर श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यर्‍ म में उपस्थित लोगों ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।कार्यर्‍ म के मुख्य अतिथि जिला सैनिक कल्याण अधिकारी चिड़ावा सुरेश कुमार जांगिड़ रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में एडवोकेट सत्यवीर दोराता, समाजसेवी नोरंग डांगी और डॉ. सुरेंद्र गुर्जर मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महक सिंह गुर्जर ने की। इस अवसर पर शहीद वीरांगना सुगनी देवी ने शहीद रामजीलाल गुर्जर की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि शहीदों का बलिदान देश और समाज के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। कार्यर्‍ म में पवन जांगिड़ सरपंच, नत्थू सिंह चावड़ा, सुरेश पोषवाल, सुखदेव पोषवाल, सहीराम पोषवाल, शंकरलाल विकल, हवलदार रामावतार विकल, हवलदार सत्यवीर सिराधना, मिंटू सिराधना, वेदप्रकाश, पृथ्वी, नवीन सहित अनेक ग्रामीणों ने शहीद को नमन किया।

सर्व धर्म प्रार्थना सभा के साथ स्काउट एवं गाइड कैप्टन बेसिक शिविर का समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सीकर द्वारा स्थानीय संघ पलसाना के सरस्वती विद्यापीठ में चल रहे शिविर का समापन प्रार्थना सभा के साथ हुआ। एडीसी एवं प्रधानाचार्य डॉक्टर मंजू यादव ने बताया कि जिला मुख्यालय द्वारा स्थानीय संघ पलसाना के सरस्वती विद्यापीठ में सात दिवसीय गाइड कैप्टन यूनिट लीडर बेसिक कोर्स एवं स्काउट मास्टर बेसिक कोर्स का विधिवत रूप से समापन ध्वज अवतरण एवं सर्वधर्म प्रार्थना सभा के साथ किया गया। खुले सत्र में सभी संभागियों के सवालों का मौके पर ही निराकरण किया गया। बीती रात विशाल कैंप फायर के दौरान गाइड विंग में लीडर सरिता गढ़वाल ने प्रथम स्थान, ललिता मीणा ने द्वितीय तथा सुनीता वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्काउट विभाग में लीडर राकेश स्वामी प्रथम, जितेंद्र सिंह शेखावात द्वितीय तथा कमलेश कुमार बगड़िया तृतीय स्थान पर रहे। अतिथियों के द्वारा सभी को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। चल रहे आवासीय शिविर का पीईईओ भागीरथ सिंह बाजडोलिया,, विश्व हिंदू परिषद के सह कार्यवाहक बाबूलाल कुमावत,डॉ मुकेश कुमार स्वामी, पूर्व प्रभारी सहायक जिला आयुक्त गाइड सुलेखा स्वामी, सेवानिवृत्त वाइस प्रिंसिपल रिछपाल राम रूलानिया , जयपुर मंडल के पूर्व सीओ संजय सहगल आदि ने शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेकर चल रहे प्रशिक्षण की आवास, भोजन एवं प्रशिक्षण व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। प्रशिक्षणार्थियों से रूबरू होकर उनके दैनिक कार्यर्‍ म संबंधी जानकारी भी उनसे प्राप्त की। हाईक एवं भ्रमण से वापसी आए प्रशिक्षणार्थियों से सीओ बसंत कुमार लाटा भी रूबरू हुए। इस दौरान एलओसी शांति स्वामी, प्रिंसिपल डा मंजू यादव, जगदीश प्रसाद शर्मा, सचिव पवन कुमार शर्मा, गाईडर कविता शर्मा, कोषाध्यक्ष पप्पू राम मीणा, कंप्यूटर एडिटर राघव शर्मा आदि मौजूद थे।

बचपन को बनाएं खुशहाल

बच्चों के तनाव को हल्के में न लें, क्योंकि उनकेमस्तिष्क पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ता है। वॉशिंगटन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कान्सिन-मैडिसन के शोधकर्ताओं के एक दल ने यह पाया कि उपेक्षा और शारीरिक उत्पीड़न से पैदा होने वाले तनाव का बच्चे पर नकारात्मक और स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे अनुभवों से बच्चे केमस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है। इससे उनकी याद रखने की क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे बच्चों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संतुलन का भी अभाव देखने को मिलता है। यही नहीं युवा होने के बाद ऐसे बच्चों की सेहत, कॅरियर और दांपत्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इस अध्ययन में सौ से अधिक बच्चों को शामिल किया गया था, जिनकी उम्र बारह वर्ष थी और कई वजहों से उनका बचपन तनावग्रस्त था। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आप चाहते हैं कि आपका बच्चा एक समझदार इंसान बने और वह अपनी पूरी जिंदगी हंसी-खुशी से व्यतीत करे तो आपको उसका बचपन खुशहाल बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

19 दिन में खड़ी कर दी 57 मंजिला इमारत

57 मंजिला इमारत जिसमें 4000 ऑफिस और 800 अवासीय परिसर हैं, मात्र 19 दिनों में खड़ी कर दी गई। यानी हर रोज बिल्डिंग के 3 मंजिलों का निर्माण। है न हैरतअंगेज!

चीन के चांगशा शहर में बनी इस बिल्डिंग को प्रीफैब कंस्ट्रक्शन फर्म ने बनाया है। फर्म द्वारा जारी एक वीडियो में यह बताया गया है कि कैसे उसने इतनी कम अवधि में इस बिल्डिंग का निर्माण किया। वीडियो में बताया गया है चीन के हुनान प्रांत में स्टील और कांच से बनी इस इमारत को मात्र 19 कार्यकारी दिनों में खड़ा किया गया।

फर्म के एक अधिकारी जियोझांग जेंग ने बताया कि बिल्डिंग का निर्माण दो हिस्सों में किया गया। आधी इमारत का निर्माण सन 2014 में किया गया जबकि बाकी आधी इमारत का निर्माण इस साल के पहले दो महीनों में किया गया। जेंग ने बताया कि उनके फर्म की योजना 97 मंजिला इमारत बनाने की थी लेकिन हवाई अड्डे से निकटता के कारण इसे घटाकर 57 मंजिला कर दिया गया। बिल्डर द्वारा इस बिल्डिंग के निर्माण में केवल 19 दिन खर्च किए गए। फर्म अब 220 मंजिला इमारत बनाने की योजना बना रही है। इस योजना को शुरू करने के लिए उसे सरकार की अनुमति का इंतजार है।

हवा में तैरता रेस्त्रां

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एक रेस्त्रां डिनर इन द स्काई थीम पर बनाया गया है। हवा में 150 फीट ऊपर तैरते हुए यहां मेहमानों को लजीज पकवान परोसा जाता है। इस रेस्त्रां को क्रेन से उठाया जाता है। इंटरनेशनल फोर्ब्स मैगजीन ने इसे दुनिया के 10 सबसे अनयूजुअल रेस्त्रां की सूची में शामिल किया है।
यहां शरीर पर परोसते हैं खाना
यहां खाना और स्वागत में होता है अपमान

ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ने बनाया सटीक विश्व का नक्शा

अमेरिका का यह 11 साल का बच्चा इंटरनेट जगत में सनसनी बना हुआ है। लोगों से ज्यादा न घुलने-मिलने वाला, अपने में खोया रहने वाला ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ने अपने अध्यापकों और सहपाठियों को तब चकित कर दिया जब इसने अपने क्लास के व्हाइट बोर्ड पर कुछ ही मिनटों में विश्व का नक्शा बना डाला वह भी एकदम सटीक।
उसके सहपाठियों ने उसकी तस्वीर और नक्शा बनाते हुए उसकी वीडियो इंटरनेट पर शेयर की और यह पूरे विश्व में वायरल हो गई। 11 साल के इस बच्चे का पिता एक स्कूल में अध्यापक है और यह बच्चा ऑटिज्म की बीमारी से पीड़ित है। खास बात यह है कि इस बच्चे ने विश्व का न सिर्फ सटीक नक्शा बनाया बल्कि उसने

नक्शे में छोटे-छोटे देश और यहां तक कि उन छोटे आइलैंड को भी बनाया जिनपर नक्शा देखते वक्त अमूमन नजर भी नहीं जाती।
इस बच्चे की यह विलक्षण स्मरण शक्ति सचमुच हैरान करने वाली है। इससे पहले भी ऑटिज्म से पीड़ित एक ब्रिटिश कलाकार तब मशहूर हुआ था जब न्यूयॉर्क शहर के ऊपर से एक छोटे से हैलीकॉप्टर यात्रा के बाद उसने शहर की गगनचुंबी इमारतों की पैनारोमिक व्यू वाली पेंटिंग बना डाली थी। स्टीफन विल्टशायर नामक इस कलाकार की पेंटिंग में गजब की सूक्ष्मता थी।

मेहनत से मिली जीत

बात अगस्त 2013 की है। करीब एक महीने से मुझे बुखार आ रहा था। मेरी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और करीब चार महीने अगस्त से नवंबर तक बिस्तर से उठ नहीं पाई। मैं पूरे पांच महीने तक पढ़ नहीं सकी। छठे महीने में जब स्कूल पहुंची तो मैं बहुत घबराई हुई थी, क्योंकि कोर्स में बहुत ज्यादा पिछड़ चुकी थी। मैं अपने सर के पास जाकर रोने लगी और कहने लगी कि मैं इस साल बोर्ड की परीक्षा नहीं दे पाऊंगी। मेरा एक साल बेकार हो जाएगा। लेकिन मेरे सर ने मुझे ढाढस बंधाया और खूब मेहनत करने की सलाह दी। मेरे मम्मी-पापा ने भी मेरा हौसला बढ़ाया।
आखिरकार मैंने पढ़ाई शुरू कर दी। इसमें मेरे प्रिंसिपल सर, मैथ्स टीचर, मेरे पैरेंट्स और मेरी दादी ने मेरा हौसला तो बढ़ाया ही, उन्होंने मदद भी की। सबकी सलाह पर मैंने हू-ब-हू अमल किया। पूरा कोर्स पढ़ने की बजाय मेन-मेन पॉइंट्स पर फोकस किया। मेरे पैरेंट्स ने कोचिंग लगा दी। पापा गेस पेपर्स लेकर आए, जिनकी मदद से मैंने खूब प्रैक्टिस की। इस बीच मम्मी मेरा पूरा ख्याल रखती थीं। जनवरी-फरवरी, दो महीनों में मैंने कठिन परिश्रम किया और मार्च में दसवीं बोर्ड की परीक्षा दी। मेरे पेपर अच्छे हुए और परिणाम 80.16 परसेंट रहा। सचमुच, मेहनत कभी खाली नहीं जाता।

मनोबल रहे ऊंचा

मैं हर साल प्रथम श्रेणी में पास हुआ। कक्षा दस की बोर्ड परीक्षा के लिए तो मैंने ठान लिया था कि मैं अपनी मेहनत और लगन से कॉलेज में टॉप करूंगा। जब मेरा रिजल्ट इंटरनेट पर घोषित हुआ, तो मैं यह देखकर बेहद खुश हुआ कि मैंने 90 परसेंट अंक पाकर कॉलेज टॉप किया है। अब मुझे 11वीं कक्षा में एडमिशन लेना था।
मैंने शुरू के पांच-छह दिन तो क्लास अटेंड की, इसके बाद क्लास ड्रॉप करने लगा। मुझे लगा जिस तरह हाईस्कूल में टॉप किया, उसी तरह 11वीं में भी कर लूंगा। 11वीं की परीक्षा का रिजल्ट आया, तो सभी बच्चे कॉलेज गए। प्रार्थना स्थल पर उन बच्चों के नाम घोषित किए गए, जो कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आते थे। जब नाम घोषित हुए, तो कक्षा 11 में टॉप थ्री में मेरा नाम कहीं नहीं था। वहां सब हैरान थे। मैं चुपके से पंक्ति से बाहर निकला और घर आ गया। मैं समझ नहीं पा रहा था कि घर वालों से क्या कहूंगा। जो हमेशा प्रथम आता था, वह तीसरे स्थान पर भी नहीं था।
पर मैंने खुद को कमजोर नहीं पड़ने दिया। मेरे घर वालों ने मेरी हिम्मत बढ़ाई।

12वीं के लिए फिर से मैंने कठिन परिश्रम किया और खूब पढ़ाई की। मेरी मेहनत और लगन रंग लाई। इसलिए दोस्तो, कभी किसी काम को छोटा या आसान नहीं समझना चाहिए कि तुम उसे छोड़ दो। वहीं, किसी काम को इतना मुश्किल भी नहीं समझना चाहिए कि तुम कर ही न सको। मनोबल एक बहुत बड़ा गुण है। पूरी लगन और मेहनत से किसी चीज को पाने की सोचो, तो वह जरूर मिलती है।

मदद करने से मिलती है खुशी

यह तब की बात है जब मैं 13 साल का था और कक्षा 9 में पढ़ता था। अब मैं 14 साल का हो गया हूं। मेरे पिता जी कहते हैं कि लोगों की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए।
%अगर तुम किसी की मदद करना चाहते हो तो तुम्हारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाएगी और एक अलग तरह की खुशी का भी अनुभव होगा।% एक बार हम सपरिवार घर के बाहर गये थे। हम लोग जी.टी. रोड के किनारे पैदल ही चल रहे थे। मैं पापा से पीछे था। तभी मैंने देखा कि सड़क के किनारे एक वृद्ध महिला खड़ी हैं। असल में वह रोड पार करना चाहती थीं, मगर सड़क पर बहुत तेज गाड़िया चल रही थीं, इसलिए यह संभव नहीं हो रहा था। कोई भी उनकी मदद करता नहीं दिख रहा था। तभी मुझे पापा कि बात याद आई और मैं दौड़ कर उन महिला के पास गया और कहा, आइए अम्मा मैं आप को रोड पार करा देता हूं।
उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और चलने लगीं। सड़क पर काफी तेजी से वाहन आ-जा रहे थे। लेकिन मेरे अंदर पता नहीं कैसे हिम्मत आ गयी थी। मुझे थोड़ा सा भी डर नही लग रहा था। मैंने उनको आराम से रोड पार करा दिया।
उसके बाद उन्होंने मुझे खूब आशीर्वाद दिया और चली गयी। वास्तव में उस समय मदद करने के बाद मुझे बहुत खुशी महसूस हुई। उस दिन मुझे यह पता चला कि जब हम किसी कि मदद करते हैं तो भगवान भी हमारा साथ देता है और हमें हिम्मत देता है।

बच्चों के लिए ज्यादा डांट-फटकार ठीक नहीं

बचपन में जिन बच्चों को ज्यादा डराया तथा धमकाया जाता है, उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल असर पड़ता है और प्रौढ़ावस्था में इन बच्चों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
ब्रिटेन के मनोचिकित्सकों के अनुसार जिन बच्चों को बचपन में ज्यादा डांट-फटकार का सामना करना पड़ता है अथवा जिनके सहपाठी उन्हें पीटते हैं, तो ऐसे बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य न केवल प्रभावित होता है, बल्कि 50 वर्ष की आयु में इन्हें अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।
ब्रिटेन के किंग्स कॉलेज लंदन के सायकिएट्री संस्थान के मनोचिकित्सक यू ताकीजावा की अगुवाई में किए गए इस अध्ययन की रिपोर्ट अमेरिकन जर्नल ऑफ सायकिएट्री में शुक्रवार को प्रकाशित हुई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इस संबंध में 40 वर्ष पूर्व कराए गए अध्ययन आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।
इस अध्ययन में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में 1958 में एक हफ्ते में जन्में 7,771 बच्चों को शामिल किया गया था। इन बच्चों के माता-पिता से पूछा गया था कि बचपन में उनके साथ घर में क्या बर्ताव होता था और कक्षा में सहपाठी उनके साथ क्या व्यवहार करते थे।

माता-पिता से यह जानकारी भी ली गई कि सात से 11 वर्ष की उम्र में क्या बच्चों को ज्यादा डांट-फटकार का सामना करना पड़ा था। अब 50 वर्ष की उम्र में पहुंच चुके इन व्यक्तियों के अध्ययन से यह पता चला कि उनमें अवसाद, तनाव और आत्महत्या करने जैसी प्रवृति अधिक देखने को मिली। ये सामाजिक रूप से भी अलग-थलग पाए गए हैं।
सायकिएट्री संस्थान की मनोचिकित्सक लुईस आर्सेनल्ट का कहना है कि अब आप अपने दिमाग से यह धारणा निकाल दीजिए कि बच्चों को बचपन में ज्यादा डांटना या फटकारना जरूरी होता है। शिक्षकों, माता-पिता और नीति निर्माताओं को इस बात से वाकिफ होना चाहिए कि बचपन में स्कूल अथवा घर में बच्चों के साथ जो व्यवहार होता है उसके परिणाम बहुत बाद में दिखाई देते हैं।

रक्षिता (बुगल) की तृतीय पुण्यतिथि पर बलौदा में विशाल नि:शुल्क चिकित्सा एवं महारक्तदान शिविर आयोजित

38 यूनिट रक्तदान, 700 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच, 25 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित; 1000 पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

मां सरस्वती की उपासक, सबकी लाडली बेटी स्व. रक्षिता (बुगल) सुपुत्री दारा सिंह विकास अधिकारी की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर ग्राम बलौदा में

शुक्रवार को विशाल नि:शुल्क चिकित्सा, महारक्तदान शिविर एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन शहीद धर्मपाल सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बलौदा के प्रांगण में रक्षिता सेवा संस्थान एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्व. रक्षिता (बुगल) के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर, दीप प्रज्वलित कर एवं दो मिनट का मौन रखकर की गई। उपस्थित जनसमूह ने नम आंखों से बेटी रक्षिता को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन को सेवा, संस्कार और प्रेरणा का प्रतीक बताया। शिविर में क्षेत्र के हजारों लोगों ने भाग लिया और चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। इस दौरान रक्तदान शिविर में 38 युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 38 यूनिट रक्तदान किया। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का सबसे बड़ा कार्य है और स्व. रक्षिता की स्मृति में किया गया यह रक्तदान कई जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में सहायक बनेगा।

700 से अधिक लोगों की हुई नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच

शिविर में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों की विशेषज्ञ टीमों ने अपनी सेवाएं दीं। पायल हॉस्पिटल एंड डायग्नॉस्टिक सेंटर, चिड़ावा की ओर से स्त्री रोग, बाल रोग एवं जनरल फिजिशियन विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 300 से अधिक मरीजों की जांच की गई तथा जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं। इसी प्रकार डॉ. नेहरा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, मंडेला की टीम द्वारा 200 से अधिक लोगों की नशा मुक्ति संबंधी जांच की गई तथा उन्हें परामर्श और नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं। चिकित्सकों ने लोगों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने का संदेश दिया। मानसा एएसजी हॉस्पिटल, सीकर की ओर से डॉ. अमित कुमार शर्मा एवं हॉस्पिटल मैनेजर पवन कुमार सोनी के नेतृत्व में नेत्र जांच शिविर लगाया गया। इस दौरान 200 से अधिक मरीजों की आंखों की जांच की गई तथा 25 से अधिक मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। इन मरीजों को आगे उपचार एवं ऑपरेशन के लिए मार्गदर्शन भी दिया गया।

रक्षिता सेवा संस्थान ने संभाली व्यवस्थाएं

रक्षिता सेवा संस्थान के संस्थापक एवं संचालक दारा सिंह के नेतृत्व में पूरे कार्यक्रम की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से की गईं। शिविर में आने वाले लोगों के लिए भोजन, पेयजल, पंखे, कूलर, बैठने की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं। गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग शिविर में पहुंचे और व्यवस्थाओं की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन पवन कुमार अध्यापक ने किया। अंत में आयोजकों ने सभी चिकित्सा टीमों, रक्तदाताओं, अतिथियों, ग्रामवासियों, युवाओं और सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने कहा कि स्व. रक्षिता (बुगल) की स्मृति में सेवा कार्यों की यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी। समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा, रक्तदान, स्वास्थ्य जागरूकता, शिक्षा प्रोत्साहन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में संस्थान निरंतर कार्य करता रहेगा।

अनेक गणमान्य लोग रहे मौजूद

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रधानाचार्य नेतराम यादव, सरला पाठशाला की संचालिका अनीता पूनिया, भिवानी के पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी दर्शनानंद नेहरा, डॉ. सत्यवीर सिंह नेहरा, डॉ. अमित कुमार शर्मा, डॉ. आजाद सिंह, किन्नर नेना बाई सूरजगढ़, भीम प्रज्ञा के संपादक एडवोकेट हरेश पंवार, हीरवा सरपंच मनीराम, जितेंद्र कुमार जैन, ग्राम सहकारी समिति अध्यक्ष मुकेश कुमार शर्मा, दिलीप सिंह शेखावत, संजय योगी, अशोक कुमार सोनी, रिशाल सिंह दायमा, धर्मवीर मांदरी, ग्राम विकास अधिकारी नरेश कुमार, बलवंत कुमार, उपेंद्र कुमार, योगेंद्र कुमार, खुशीराम मीणा, चेतराम मीणा, संदीप यादव, दिनेश कुमार, घनश्याम बरवड़, सुरेंद्र कुमार ब्लॉक समन्वयक, विजेंद्र कुमार, धर्मेंद्र कुमार डाटा एंट्री ऑपरेटर, अरविंद कुमार मास्टर, गणेश कुमावत ग्राम विकास अधिकारी, होशियार सिंह, रणवीर सिंह, शर्मानंद, सोनू कुमार शर्मा, सतीश कुमार, सुखवीर मील, राजकुमार जांगिड़, महेंद्र सिंह चाहर, सुमेर सिंह चाहर अध्यापक, प्रधानाचार्य सुनीता, बिजेंद्र कुमार सीआई, पवन कुमार अध्यापक, अभिषेक फाडिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा पूर्व सरपंच छोटूराम, मनोहरलाल जांगिड़, पूर्व सरपंच नरेश कुमार, पूर्व पंचायत समिति सदस्य रतन सिंह तंवर, प्रधानाचार्य नेतराम यादव, सबीर कुमार अध्यापक, अभिषेक, कुसुम, बरजी देवी, विजयलक्ष्मी, कैप्टन शीशराम वर्मा, जयवीर सिंह, देवेंद्र कुमार वीरू, वीरेंद्र सुजडोला, दिनेश कुमार कलाखरी, राजवीर सिंह, अनिल कुमार ठोठवाल, धर्मपाल सरपंच, सूबेदार लालचंद कुमावत, प्रताप सिंह शेखावत, राजेंद्र कुमार बड़वर, सुनील कुमार ठोठवाल, जगमोहन पंच, नवीन कुमार, मंजू कुमारी, शकुंतला कुमारी, सरोज देवी सहीराम तूंदवाल गुरुजी, ओम प्रकाश मरोडिया, मनोहर लाल सहित हजारों लोगों ने कार्यक्रम में भाग लेकर बेटी रक्षिता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

1000 पौधे वितरित, पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

चिकित्सा और रक्तदान शिविर के साथ-साथ कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का भी विशेष संदेश दिया गया। आमजन को 1000 से अधिक पौधों का वितरण किया गया और लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए 50 से अधिक पानी के परिंडे भी लगाए गए। आयोजकों ने कहा कि मनुष्य के साथ-साथ पशु-पक्षियों की सेवा भी पुण्य का कार्य है। जल, जंगल और जीव संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का किया सम्मान

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले छात्र-छात्राओं, समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों, शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक कार्य और जनसेवा से जुड़े व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित प्रतिभाओं ने इसे अपने लिए प्रेरणा बताते हुए समाजहित में कार्य करते रहने का संकल्प लिया।

श्रद्धांजलि के साथ सेवा का संदेश

कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्व. रक्षिता (बुगल) के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी प्रियजन की स्मृति में सेवा कार्य करना सच्ची श्रद्धांजलि है। बेटी रक्षिता भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी स्मृति में आयोजित यह चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर, पौधारोपण अभियान और सामाजिक सम्मान समारोह समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। पूर्व प्रधानाचार्य नेतराम यादव, भिवानी के पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी दर्शनानंद नेहरा, सरला पाठशाला की संचालिका अनीता पूनिया, एडवोकेट हरेश पंवार सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि बेटियां परिवार और समाज की शान होती हैं। रक्षिता की पुण्यतिथि पर इतने बड़े स्तर पर सेवा कार्यों का आयोजन यह दर्शाता है कि उनकी स्मृतियां आज भी समाज को मानवता और परोपकार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे रही हैं।

अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मित्तल ने दादी के दरबार पहुंच लगाई धोक, की मंगल कामना

युवा प्रदेश महामंत्री बजाज के नेतृत्व में किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी चुनाव में विजयश्री हासिल कर नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष बने बसंत जी मित्तल ने सपरिवार झुंझुनूं राणी सती दादी के दरबार में पहुंच कर दर्शन कर पूजा अर्चना कर मंगल कामना की। शेखावाटी क्षेत्र में देव दर्शन यात्रा आए मित्तल परिवार ने मां शाकम्बरी धाम के दर्शन करते हुए राणी सती दरबार झुंझुनू पहुंचकर दादीजी के दरबार में धोक लगाकर देश एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत मित्तल ने पूर्वी राजस्थान के पदाधिकारी को अपना बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया और करीब एक घंटे चली चर्चा में समाज से संबंधित विषयों पर विस्तृत परिचर्चा करते हुए अपने आगामी विजन से अवगत करवाया इस अवसर पर युवा प्रदेश महामंत्री संदीप बजाज अग्रवाल समाज लक्ष्मणगढ़ के अध्यक्ष एवं प्रदेश पदाधिकारी विमल चिरानिया प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला प्रदेश मंत्री राजेश जाजोदिया सीकर जिलाध्यक्ष अनिल तोदी नंदकिशोर काबरा सुभाष मित्तल साथ थे। वही राष्ट्रीय मंत्री विष्णु भूत सीकर चेयरमैन अमित चिरानिया एवं प्रदेश महामंत्री

सन्मति हरकारा ने दूरभाष पर बात कर राजस्थान पधारने पर स्वागत किया। इससे पूर्व झुंझुनू पधारने पर अग्रवाल सम्मेलन के झुंझुनू जिला अध्यक्ष श्याम सुंदर जालान एवं झुंझुनू युवा जिलाध्यक्ष सीए लोकेश अग्रवाल के नेतृत्व में नीतेश केजरीवाल, प्रमोद केडिया, मनोज मोदी, अभिषेक मुरारका, दीपक केडिया, संदीप केडिया, मोहित अग्रवाल, नवरत्न झुंझुनूवाला, अग्रवाल समाज समिति झुंझुनू अध्यक्ष गणेश हलवाई, सचिव राणासरिया, जुगल मोदी, सुरेंद्र केडिया, श्रवण गोयनका, महिला इकाई अध्यक्ष मंजू झुनझुनवाला के नेतृत्व में संतोष जालान, संगीता देड़िया, सरिता सिंघानिया सहित अग्रवाल समाज बंधुओं एवं मातृशक्तियों ने जोरदार स्वागत किया।

माताओं के सम्मान में समीर ऑप्टिकल की अनूठी पहल का समापन, सैकड़ों महिलाओं को मिले सरप्राइज गिफ्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

"माँ सिर्फ एक रिश्ता नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे खूबसूरत एहसास है।" इसी भावना को आत्मसात करते हुए चिड़ावा कस्बे के गोशाला रोड स्थित प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान समीर ऑप्टिकल द्वारा मदर्स-डे के उपलक्ष्य में चलाई गई विशेष मुहिम का भव्य समापन हो गया। 10 मई से 20 मई 2026 तक आयोजित इस अनूठे 'सरप्राइज गिफ्ट' ऑफर का क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं और माताओं ने भरपूर लाभ उठाया। व्यापार के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों और अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पहचाने जाने वाले समीर ऑप्टिकल की इस पहल की कस्बे में जमकर सराहना हो रही है। चिड़ावा में यह अपनी तरह का पहला ऐसा आयोजन था, जहाँ केवल माताओं के सम्मान और उनकी मुस्कान के लिए इस स्तर का कार्यक्रम रखा गया। प्रतिष्ठान के संचालक और प्रसिद्ध श्याम भक्त समीर सिंह शेखावत ने बताया कि इस 10 दिवसीय विशेष अभियान के तहत जो भी जागरूक नागरिक अपनी माता जी के साथ स्टोर पर पहुंचे, उन्हें 'लकी चिट' के माध्यम से विशेष उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। अभियान के समापन पर प्रियांशी एवं रितू शेखावत ने भाग्यशाली विजेता महिलाओं को अपनी ओर से विशेष गिफ्ट देकर उनका अभिनंदन किया। सम्मान पाकर माताओं के चेहरे खिल उठे। चिड़ावा में सफलता के झंडे गाड़ने के बाद अब समीर ऑप्टिकल ने पड़ोसी शहर पिलानी में भी अपने

चिड़ावा के बाद अब पिलानी बिड़ला सार्वजनिक अस्पताल में भी शुरू हुईं समीर ऑप्टिकल की सेवाएं; पिलानी वासियों को भी मिलेंगे विशेष ऑफर

कदम बढ़ा दिए हैं। पिलानी के प्रसिद्ध बिड़ला सार्वजनिक अस्पताल (BPH) में समीर ऑप्टिकल की अत्याधुनिक सेवाएं विधिवत रूप से शुरू हो चुकी हैं।

चिड़ावा के सम्मानित ग्राहकों की तरह ही अब पिलानी के क्षेत्रवासियों और मरीजों को भी समय-समय पर बेहतरीन और किफायती ऑफर्स का लाभ मिलता रहेगा। हमारा उद्देश्य केवल व्यवसाय करना नहीं, बल्कि लोगों को बेहतर दृष्टि और बेहतरीन सेवाएं प्रदान करना है।" 10 से 20 मई तक चला यह विशेष मदर्स-डे ऑफर भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन इस आयोजन ने क्षेत्र की महिलाओं के सम्मान में एक नई मिसाल पेश की है। समीर ऑप्टिकल प्रबंधन ने इस मुहिम को सफल बनाने के लिए सभी क्षेत्रवासियों और मातृशक्ति का आभार व्यक्त किया है।

भाजपा नेता राजेश दहिया ने वार्ड 40 में नवनिर्मित कुएं का किया उद्घाटन

महिलाओं ने गाए मंगल गीत, बांटी मिठाई; पानी की किल्लत से मिलेगी राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

क्षेत्र के विकास और आमजन की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार की कड़ी में आज वार्ड नंबर 40 में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। भाजपा नेता राजेश दहिया ने आज वार्ड में नवनिर्मित कुएं का विधि-विधान से उद्घाटन किया। इस सौगात से उत्साहित वार्डवासियों ने राजेश दहिया का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कुएं के शुरू होने की खुशी में स्थानीय महिलाओं ने पारंपरिक मंगल गीत गाए और पूरे वार्ड में मिठाई बांटकर खुशियां साझा की गईं। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा नेता राजेश दहिया ने कहा कि क्षेत्र के हर नागरिक तक स्वच्छ और शुद्ध पेयजल पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में

शामिल है। उन्होंने कहा, "जनता की छोटी से छोटी समस्याओं का तुरंत समाधान करना ही हमारी राजनीति का मूल मंत्र है।" दहिया ने विश्वास जताया कि इस नए कुएं के निर्माण से वार्ड के दर्जनों परिवारों को शुद्ध और पर्याप्त पानी मिल सकेगा। खासकर भीषण गर्मियों के मौसम में यह कुआं क्षेत्रवासियों को पानी की किल्लत से निजात दिलाने में बेहद उपयोगी साबित होगा। लोकार्पण के बाद उन्होंने स्थानीय लोगों से कुएं के नियमित रखरखाव और आसपास स्वच्छता बनाए रखने की भी अपील की।

इस खास अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और वार्डवासियों की भारी मौजूदगी रही। कार्यक्रम में पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, पूर्व पार्षद रविकांत शर्मा, पार्षद मदन डारा, ओबीसी मोर्चा जिला संयोजक डॉ. बी. एल. वर्मा, सुनील भड़िया, अशोक सैनी, बलवंत सैनी, सुशील धाधीच, रजत जांगिड़, जगदीश, सुशील सैनी, संतकुमार सैनी, राजेंद्र यादव, बाबूलाल जांगिड़ एवं कमल सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहें।

फुले दम्पति को भारत रत्न की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

सांसद बृजेंद्र सिंह ओला से महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले को मरणोपरांत देश का सर्वोच्च सम्मान "भारत रत्न" देने की मांग संसद में उठाने का लोगों ने ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने वाले प्रतिनिधि मंडल के मुखिया कासिमपुरा के पूर्व सरपंच मदनलाल सैनी, नगर परिषद के पार्षद प्रदीप सैनी, ताराचंद खडोलिया, मनोज सैनी ने बताया कि फुले दम्पति को "भारत रत्न" देने पर देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं का सम्मान होगा। सांसद ओला ने कहा कि फुले दम्पति "भारत रत्न" सम्मान के हकदार हैं। संसद में प्राथमिकता से सरकार के सामने यह मांग रखी जाएगी। कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष खलील बुडाना ने इस दौरान कहा कि वर्तमान देश की महिला शिक्षा महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले की देन है। इस दौरान पुर्व संरपच कसीमपुरा मदनलाल सैनी, वरिष्ठ पार्षद ताराचंद सैनी, प्रदीप कुमार सैनी, मनोज सैनी, पुर्व पंचायत समिति सदस्य लालचंद सैनी, सांवर मल सैनी, पार्षद कैलाश कुमावत, ऊमर कुरैशी, डॉ. युसुफ सहित सर्व समाज के नागरीक मौजूद रहें।

पक्षियों के संरक्षण के लिए अनूठी पहल, ब्राह्मणों की ढाणी में बनेगा विशाल चुग्गाघर

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

विश्व पर्यावरण संरक्षण की भावना को आगे बढ़ाते हुए शुक्रवार को ब्राह्मणों की ढाणी, तंन देवरोड स्थित शिव मंदिर परिसर में पर्यावरण प्रेमियों एवं पक्षी प्रेमियों द्वारा पक्षियों के लिए चुग्गाघर की नींव रखी गई तथा परिंडे लगाए गए। करीब 25*20 फीट क्षेत्रफल में बनाए जा रहे इस विशाल चुग्गाघर में लगभग 1500 पक्षी एक साथ दाना चुग सकेंगे। कार्यक्रम में गांव के दर्जनों महिला-पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं ने मंगलगीत गाकर आयोजन को भक्तिमय माहौल प्रदान किया तथा पक्षियों के लिए पानी और दाने की नियमित व्यवस्था करने का संकल्प लिया। इस दौरान

नत्थमल पुजारी, उम्मेद भूकर, नत्थूराम गोदारा, उमेश शर्मा, सुबेदार मेजर दारा सिंह गोदारा, सुबेदार राजेन्द्र गोदारा, कैलाश सैनी, अशोक किरोड़िया, महेन्द्र सिंह धांगड़, रामदेव किरोड़िया, सुशील जांगिड़ सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वहीं नारीशक्ति में शारदा देवी, सुरेश देवी, रामा देवी, उर्मिला, कुनणी, पार्वती, मधु शर्मा एवं मंजू भूकर ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमी जयसिंह झाझड़िया, बहादुर सिंह शेखावत एवं बीरबल सिंह चौहान ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

खुड़ाना के राजेश गोठवाल बने मेघ सेना जिला अध्यक्ष झुंझुनूं

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

मेघ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. डी. के. मेघवाल द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार राजेश गोठवाल पुत्र प्रभुदयाल गोठवाल निवासी ग्राम खुड़ाना, तहसील चिड़ावा, जिला झुंझुनूं को मेघ सेना राजस्थान प्रदेश इकाई में जिला अध्यक्ष झुंझुनूं नियुक्त किया गया है। राजेश गोठवाल लंबे समय से समाजसेवा एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता के कार्यों से जुड़े हुए हैं। उनके सेवा-भाव, सरल स्वभाव एवं समाजहित में सि्र य भूमिका को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।नियुक्ति के बाद समाज के लोगों एवं शुभचिंतकों ने खुशी जताते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। समाज के लोगों ने विश्वास जताया कि नेतृत्व में मेघ सेना संगठन झुंझुनूं में और अधिक मजबूती के साथ समाज हित के कार्य करेगा, तथा युवाओं को संगठन में जोड़ने में भी सफलता मिलेगी इस अवसर पर राजेश गोठवाल ने मेघ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.डी.के. मेघवाल एवं संगठन पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज के हित में पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करेंगे तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

डॉ. प्रीति की पुस्तक 'फाउंडेशन्स ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज' का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

एस.एस. जैन सुबोध पीजी कॉलेज, जयपुर की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रीति द्वारा लिखित पुस्तक "फाउंडेशन्स ऑफ इंग्लिश लैंग्वेजः ए कॉम्प्रिहेन्सिव इंट्रोडक्शन" का शुक्रवार को कॉलेज परिसर में विमोचन किया गया। पुस्तक का विमोचन सुबोध कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रेणु जोशी ने गरिमामय अकादमिक समारोह में किया।इस अवसर पर राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. अल्पना कटेजा और प्राचार्या डॉ. रेणु जोशी ने डॉ. प्रीति को शुभकामनाएं देते हुए उनके शैक्षणिक योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी पुस्तकें उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में सहायक सिद्ध होती हैं। डॉ. प्रीति महाराजा कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल डॉ. दिनेश की पत्नी तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त उपनिदेशक लीलाधर दोचानिया की पुत्री हैं। उपस्थित शिक्षाविदों ने पुस्तक को कॉलेज और अकादमिक जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।पुस्तक में अंग्रेजी भाषा की मूलभूत संरचना, व्याकरण, भाषा कौशल और प्रभावी संप्रेषण के महत्वपूर्ण पहलुओं को सरल एवं व्यावहारिक शैली में प्रस्तुत किया गया है। विशेषज्ञों ने कहा कि यह पुस्तक अकादमिक परीक्षाओं के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए भी उपयोगी रहेगी। लेखिका डॉ. प्रीति ने कहा कि पुस्तक लिखने का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा की मजबूत आधारशिला प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक विद्यार्थियों की अंग्रेजी बोलने और लिखने की झिझक दूर कर उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक होगी। समारोह में कॉलेज के वरिष्ठ संकाय सदस्य, शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पाटोदा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस काउंटडाउन अभियान के तहत योग शिविर आयोजित, ग्रामीणों ने किया उत्साहपूर्वक योगाभ्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । आयुष्मान आरोग्य मंदिर, राजकीय आयुर्वेद औषधालय पाटोदा में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के काउंटडाउन अभियान के तहत योग सत्र एवं जागरूकता कार्यर् म का आयोजन किया गया। कार्यर् म में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमला ने बताया कि आयोजित योग शिविर में करीब 80 ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षक प्रमेन्द्र मोगा ने प्रतिभागियों को योगाभ्यास करवाते हुए योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों के बारे में जानकारी दी। वहीं आयुष कंपाउंडर निशा कुमारी ने विभिन्न रोगों में योगासनों के महत्व और नियमित योग करने से होने वाले फायदों पर प्रकाश डाला। कार्यर् म के दौरान 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस काउंटडाउन योगाभ्यास पोस्टर का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। सामाजिक सरोकारों से जुड़े इस आयोजन में योग प्रशिक्षक प्रमेन्द्र मोगा ने ग्रामीणों को फल वितरण किया। साथ ही ग्रामीणों के सहयोग से बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे भी बांधे गए, जिससे पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर विश्वेश्वर सिंह, अजीज खान, नेमीचंद, उम्मेद खान, मोहनलाल, सबिर खान, मदन सिंह, शंकर सिंह, मंजू (आंगनबाड़ी कार्यकर्ता), ललिता (आशा सहयोगिनी) सहित बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे। कार्यर् म ने स्वास्थ्य, सेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देते हुए ग्रामीणों में उत्साह का संचार किया।

सीबीईओ कार्यालय मण्डावा में प्रशासनिक अधिकारी महेश खीचड़ ने संभाला पदभार, अधिकारियों ने किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.मण्डावा।

पवन कुमार शर्मा । सीबीईओ कार्यालय मण्डावा में शुक्रवार को प्रशासनिक अधिकारी महेश खीचड़ ने पदोन्नति के उपरांत विधिवत कार्यग्रहण किया। इस अवसर पर कार्यालय परिसर में स्वागत कार्यर् म आयोजित किया गया, जहां शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका अभिनंदन कर शुभकामनाएं दीं। कार्यर् म के दौरान डीईओ माध्यमिक राजेश मील एवं सीबीईओ मण्डावा पवन कुमार ने महेश खीचड़ का साफा ओढ़ाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया। वहीं संस्थापन अधिकारी रमेश खीचड़ और वि् म सिंह ने विधिवत रूप से कार्यग्रहण की प्रि् या पूर्ण करवाई। इस मौके पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि महेश खीचड़ के प्रशासनिक अनुभव, कार्यकुशलता और समर्पण से सीबीईओ कार्यालय मण्डावा की कार्यप्रणाली को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा शिक्षा विभाग के कार्यों में पारदर्शिता और गति आएगी। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग एवं जिला मुख्यालय से जुड़े कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। इनमें प्रिंसिपल प्रमोद आबूसरिया, दिनेश खीचड़, राजेश रणवा, जयराम जांगिड़, राधेश्याम सुमन, जवाहर काला, सुशील कुमार, संदर्भ व्यक्ति लोकेश धायल, उत्तम दाधीच, एएओ संजीव जांगिड़, लेखाकार शीतल शर्मा, एमआईएस कृष्ण तेतरा, आलोक कौशिक, खेमचंद सहित जिला मुख्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यर् म के अंत में सभी ने महेश खीचड़ को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर कार्यालय में उत्साह और सौहार्द का माहौल देखने को मिला।

स्वच्छ राजस्थान के संकल्प के साथ मंडावा में नागरिक अभिनंदन व स्वच्छता संदेश कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजमाता विजयाराजे सिंधिया ऑडिटोरियम में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के प्रदेश ब्रांड एंबेसडर के के गुप्ता के सानिध्य में नागरिक अभिनंदन एवं स्वच्छता संदेश कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यर् म में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया तथा स्वच्छता पोस्टर का विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डूंगरपुर मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता को जनआंदोलन बनाकर राजस्थान को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल राज्य बनाने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि डूंगरपुर में घर-घर कचरा संग्रहण, कचरा पृथक्करण, प्लास्टिक रोकथाम और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जैसे कार्यों ने नई पहचान बनाई है। प्रदेश ब्रांड एंबेसडर के के गुप्ता ने बताया कि राज्य के सभी निकायों में स्वच्छता मॉडल लागू करने, जियो टैग मॉनिटरिंग और वार्ड स्तर तक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त कर सफाई व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने घर-घर कचरा संग्रहण, नाइट स्वीपिंग, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई, प्लास्टिक थैली पर रोक और खाली प्लॉट्स की सफाई को प्राथमिकता बताया। कार्यक्रम में टीएडी मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सांसद मन्नालाल रावत, विधायक शंकरलाल डोचा, पूर्व सांसद कनकमल कटारा, पूर्व विधायक गोपीचंद मीणा सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। संचालन पंकज जैन ने किया।

झड़ाया में 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ को लेकर तैयारियां पूरे परवान पर

गांव गांव व ढाणी ढाणी में बांटे जा रहे हैं पीले चावल दिया जा रहा है निमंत्रण

देश के कोने-कोने में सुनाई देगी 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ की गूंज- मदनलाल भावरिया

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के झडाया बालाजी आश्रम पर 17 जून से आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ को लेकर तैयारियां पूरे परवान पर दिखाई देने लगी है द्य झडाया में आयोजित होने वाला 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ बालाजी मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज के सानिध्य में आयोजित होगा द्य यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने बताया कि झडाया में आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ की गूंज देश के कोने-कोने में सुनाई देगी इस बार आयोजित होने वाला महायज्ञ बडा ही ऐतिहासिक महायज्ञ होगा यज्ञ सेवा समिति के महेंद्र तेतरवाल, सेवानिवृत्ति पीटीआई भगवान सहाय यादव ,हनुमान यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि यज्ञ की तैयारी को ध्यान में रखते हुए गांव-गांव व ढाणी ढाणी में लोगों को पीले चावल बांटकर न्योता दिया जा रहा है व निमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया जा रहा है द्य यज्ञ सेवा समिति के मीडिया प्रभारी अशोक जांगिड़ के अनुसार यज्ञ सेवा समिति के सभी कार्यकर्ता यज्ञ की तैयारियों को लेकर गांव-गांव व ढाणी ढाणी में जाकर लोगों को निमंत्रण पत्र दे रहे हैं द्य अशोक जांगिड़ ने आगे बताया कि बालाजी मंदिर के महंत सीताराम दास जी महाराज रोज कार्यकर्ताओं की 1 घंटे मीटिंग लेकर उन्हें आगामी तैयारियो के निर्देश दे रहे हैं इस दौरान यज्ञ सेवा समिति के सेवानिवृत पीटीआई भगवान सहाय यादव, महेंद्र तेतरवाल, हनुमान यादव, मीडिया प्रभारी अशोक जांगिड़, व्यवस्थापक विकास जांगिड़ व आशीष जांगिड़ सहि कई लोग मौजूद रहे

शहीदों के सम्मान में नसीबपुर में बनेगा भव्य स्मारक : आरती सिंह राव

सीएम के साथ शहीद स्मारक की ड्राफ्टिंग और डिजाइन के विस्तार पर हुई चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि शहीदों और वीर बलिदानियों की स्मृति में नारनौल के नसीबपुर में बनने वाला भव्य शहीद स्मारक आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा स्मारक निर्माण को लेकर दिए गए दिशा-निर्देशों का स्वागत करते हुए कहा कि यह परियोजना अहीरवाल के गौरवशाली इतिहास को नई पहचान देगी। आरती सिंह राव ने कहा कि अहीरवाल की धरती वीरता, राष्ट्रभक्ति और बलिदान के लिए पूरे देश में जानी जाती है। यहां के वीर जवानों ने देश की आजादी और सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर किए हैं। प्रदेश सरकार उनके सम्मान और इतिहास को सहेजने का कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ हुई बैठक में नसीबपुर में बनने वाले शहीद स्मारक की ड्राफ्टिंग और डिजाइन का विस्तार से अवलोकन किया गया। बैठक में स्मारक निर्माण कार्य को जल्द शुरू करने को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने स्मारक को आधुनिक और भव्य स्वरूप देने पर जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि करीब 42 कनाल 10 मरला भूमि में बनने वाले इस स्मारक में आधुनिक सुविधाओं के साथ इतिहास और संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। परिसर में 500 से 600 लोगों की क्षमता वाला ओपन एयर थिएटर, अत्याधुनिक लाइट एंड साउंड शो, छह भव्य गैलरी, ऑडिटोरियम, एडमिन ब्लॉक और विशाल तिरंगा स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्मारक परिसर में ग्रीनरी, स्वच्छता, पार्किंग और तालाब के जीर्णोद्धार पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। तालाब के पानी की स्वच्छता बनाए रखने के लिए अलग से एसटीपी की व्यवस्था की जाएगी, जिससे यह स्थल आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा। आरती सिंह राव ने कहा कि नसीबपुर का यह शहीद स्मारक केवल एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि अहीरवाल की आन-बान-शान और देशभक्ति का जीवंत प्रतीक होगा। यह स्मारक युवाओं में राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की भावना को मजबूत करेगा तथा पूरे देश के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगा।

डिजिटल जनगणना-2027: जनगणना कर्मियों के मार्गदर्शक की भूमिका निभाएं सरपंच, पंच व नप अध्यक्ष और पार्षद: डीसी

ग्रामीण स्तर पर भी बुनियादी सुविधा देने में सहयोग करें जनप्रतिनिधि

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला महेंद्रगढ़ में जनगणना-2027 को सुगमता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर संपन्न कराने के लिए जिला डिप्टी कमिश्नर एवं प्रिंसिपल सेंसस अधिकारी अनुपमा अंजली प्रशासन शहरी व ग्रामीण जनप्रतिनिधियों से एकजुट होकर इस अभियान को गति देने को कहा है। उन्होंने उनके क्षेत्र में प्रगणकों तथा सुपरवाइजरों को आवश्यक सहयोग करने के निर्देश भी दिए हैं। डीसी ने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के इस महाअभियान को बिना किसी गतिरोध के पूरा करने के लिए एक परिपक्व कार्ययोजना और दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय अभियान के व्यावहारिक ि यान्वयन के लिए शहरी स्थानीय निकायों के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों, जिनमें नगर परिषद व नगर समितियों के अध्यक्ष, सदस्य और सभी वार्ड पार्षद से यह अपेक्षा की गई है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जनगणना कर्मियों के मार्गदर्शक की भूमिका निभाएं तथा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को स्थानीय वार्डों की सही भौगोलिक स्थिति से अवगत कराकर डेटा संकलन को त्रुटिहीन बनाने में अपना अमूल्य सहयोग दें।

इसी प्रकार, ग्रामीण अंचल में इस कार्य की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए जिले की पंचायती राज संस्थाओं के सभी मुखियाओं, सरपंचों, पंचों और ग्राम पंचायत सदस्यों को सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया है कि वे सेंसस अधिकारियों को ग्रामीण स्तर पर हर मुमकिन बुनियादी सुविधा और व्यावहारिक सहयोग उपलब्ध कराएं ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी इस गणना में शामिल हो सके। उन्होंने ग्रामीण समाज की पारंपरिक और मजबूत धुरी माने जाने वाले सभी नंबरदारों और ग्राम प्रधानों को भी विशेष दायित्व से जोड़ा है ताकि वे अपने आवंटित गांवों में आने वाले सेंसस एन्यूमरेटर्स की स्थानीय स्तर पर प्रामाणिक अगवानी करें और यह सुनिश्चित करने में मदद करें कि फील्ड स्टाफ को हर घर से सटीक व वास्तविक आंकड़े प्राप्त हों। इसी तरह प्रशासनिक और तकनीकी मोर्चे पर जिले के सभी सरकारी विभागों, सक्षम प्राधिकारियों और लोकल बॉडीज को पाबंद किया गया है कि वे राष्ट्रीय जनगणना को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रखें तथा जनगणना अथॉरिटी को समय-समय पर आवश्यकतानुसार हर तरह की तकनीकी सहायता, मानव संसाधन और व्यावहारिक मदद बिना किसी विलंब के मुहैया कराएं ताकि पूरी प्रि् या निर्बाध रूप से चलती रहे। प्रशासनिक स्तर पर यह भी स्पष्ट किया गया है कि उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय कार्य में किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करने वाले किसी भी स्तर के अधिकारी या उत्तरदायी व्यक्ति के खिलाफ जनगणना एक्ट 1948 और अन्य प्रासंगिक विधिक नियमों के तहत नियमानुसार आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उपायुक्त ने आम जनता से अपील कि है कि जनगणना केवल एक प्रशासनिक आंकड़ा मात्र नहीं बल्कि देश और आने वाली पीढ़ियों के विकास की नीतियां तय करने का मुख्य दस्तावेज है। ऐसे में जब भी जनगणना कर्मचारी आपके द्वार पर आएं, तो उन्हें पूरी सजगता के साथ सही और प्रामाणिक जानकारी देकर इस राष्ट्रव्यापी अभियान की सफलता में अपनी सि् य नागरिकता का परिचय दें।

हरियाणा के सरकारी स्कूलों के चार मेधावी छात्रों का सकुरा विज्ञान कार्यक्रम 2026 के लिए चयन

विज्ञान और तकनीक सीखने जाएंगे जापान

नारनौल का छात्र ध्रुव भी दल में शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

प्रदेश के छोटे शहरों और सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की प्रतिभा अब अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी धाक जमाने लगी है। इसका सबसे ताजा उदाहरण हरियाणा के चार मेधावी छात्र हैं, जिनका चयन जापान के प्रतिष्ठित सकुरा विज्ञान कार्यर् म 2026 (जापान-एशिया युवा विज्ञान विनिमय कार्यर् म) के लिए हुआ है। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद, पंचकुला के तत्वाधान में सरकारी स्कूलों के इन चार विद्यार्थियों–ध्रुव, दीक्षा, खुशी और सपना–का चयन विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक अनुभव प्राप्त करने के लिए किया गया है। देश भर से चुने गए कुल 56 होनहार छात्रों में हरियाणा के इन चार सितारों ने अपनी जगह बनाकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए आज सुबह 8 बजे छात्रों का यह दल जिला परियोजना संयोजक, समग्र शिक्षा कार्यालय नारनौल से नई दिल्ली के लिए रवाना हुआ, जिसे उपाधीक्षक शिवराज सिंह ने हरी झंडी दिखाकर विदा किया। जिला परियोजना संयोजक एवं नोडल अधिकारी दिलबाग सिंह व जिला विज्ञान विशेषज्ञ रवीन्द्र ने बताया कि चयनित छात्रों में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारनौल का छात्र ध्रुव और राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फतेहाबाद की छात्रा सपना शामिल हैं। वहीं भिवानी की मूल निवासी खुशी और फतेहाबाद की दीक्षा, जो वर्तमान में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कमोदा में सरकार के महत्वाकांक्षी सुपर 100 कार्यक्रम के तहत शिक्षा ग्रहण कर रही हैं, ने भी इस सूची में अपनी जगह पक्की की है। जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी एजेंसी द्वारा संचालित इस कार्यर् म का मुख्य उद्देश्य युवा मस्तिष्क में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना है। आगामी 24 मई से 30 मई तक चलने वाले इस विशेष कार्यर् म के दौरान इन छात्रों को जापान के शीर्ष विश्वविद्यालयों और अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं का दौरा कराया जाएगा। यहाँ इन्हें न केवल नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिकों के व्याख्यान सुनने और उनसे सीधे संवाद करने का दुर्लभ अवसर मिलेगा, बल्कि यंत्रमानव विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अत्याधुनिक तकनीकों को करीब से देखने व सीखने का मौका भी मिलेगा। इसके अलावा, ये छात्र जापानी विद्यार्थियों के साथ विभिन्न संयुक्त गतिविधियों में भाग लेकर वहाँ की संस्कृति और कार्यशैली से भी रूबरू होंगे।

इस बेहद प्रतिष्ठित और आमंत्रण-आधारित कार्यर् म की सबसे खास बात यह है कि इसके लिए छात्र सीधे आवेदन नहीं कर सकते। भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग इसके लिए नोडल एजेंसियों के रूप में काम करते हैं, और इस पूरी यात्रा का सारा खर्च भी भारत सरकार द्वारा ही वहन किया जाता है। हरियाणा के इन छात्रों का चयन उनके असाधारण शैक्षणिक रिकॉर्ड, विज्ञान विषय में विशिष्ट उपलब्धियों, राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा, इंस्पायर अवार्ड मानक तथा विभिन्न विज्ञान गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। सरकारी स्कूलों से निकलकर वैश्विक पटल पर नोबेल विजेताओं से संवाद करने जा रहे इन बच्चों की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन मिले, तो प्रतिभा किसी संसाधनों की मोहताज नहीं होती।

जिला में ठोस कचरा प्रबंधन नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए: डीसी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी ि यान्वयन के लिए सभी विभाग निर्धारित गाइडलाइन की पालना पूर्ण गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ करें। गांवों और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नियमित निरीक्षण किए जाएं तथा कचरा प्रबंधन से संबंधित नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए। यह निर्देश डीसी डॉ. विवेक भारती ने शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित वीसी सभागार में ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2026 के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए। डीसी ने एमए शाखा को निर्देश दिए कि जिले में ठोस कचरा प्रबंधन नियमों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सेल का गठन किया जाए। उन्होंने गांवों के लिए डीडीपीओ तथा शहरी क्षेत्रों के लिए डीएमसी को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त सभी एसडीएम को इस सेल का सदस्य बनाया गया है ताकि विभिन्न स्तरों पर स्वच्छता गतिविधियों की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम के नेतृत्व में फ्लाइंग स्क्वॉड गठित किए जाएंगे, जो गांवों और शहरों में स्वच्छता व्यवस्था की रैंडम जांच करेंगे। जांच के दौरान कचरा प्रबंधन, सफाई व्यवस्था तथा नियमों की पालना की स्थिति का निरीक्षण किया जाएगा।

सात दिवसीय शिविर के पांचवें दिन हुआ हवन विद्यार्थियों व शिक्षकों ने दी आहुति

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री ऋषिकुल बी.एड. कॉलेज में संचालित सात दिवसीय एसयूपीडब्ल्यू एवं सामुदायिक सेवा शिविर के पांचवें दिन शु् वार को कॉलेज परिसर का माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक और वैदिक मंत्रोचार से सराबोर हो गया। शिविर के अंतर्गत समाज में नैतिक मूल्यों के विकास और पर्यावरण शुद्धि के उद्देश्य से गायत्री यज्ञ (हवन) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि झुंझुनूं के जिला समन्वयक देवेंद्र सिंह ओलखा थे। जबकि गायत्री चेतना केंद्र, पिलानी के मुख्य ट्रस्टी गोविंद राम सोनी ,श्रीमती ऊषा ओलखा विशिष्ट अतिथि थे। कॉलेज प्रशासन व प्रशिक्षणार्थियों की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण के छात्र-अध्यापकों, छात्र- अध्यापिकाओं व संकाय सदस्यों ने पूर्ण श्रद्धा भाव से आहुतियां दीं। यज्ञ के धुएं और वैदिक ऋचाओं से पूरा महाविद्यालय परिसर गुंजायमान हो उठा। संस्था प्रधान डॉ. रेखा शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया और कहा कि पांचवें दिन का यह आयोजन छात्र-अध्यापकों के मानसिक और आध्यात्मिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान सौरभ जोशी, गौ सेवक शिक्षा विध संजय जोशी, भाजपा जिला महामंत्री जय प्रकाश सरावगी, व्याख्याता डॉ. डिम्पल जोशी, व्याख्याता मंजू तिवाड़ी डॉ मीना रोहित, शारीरिक शिक्षक बनवारीलाल मील सहित संस्थान का समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

कुम्हार समाज प्रतिभा सम्मान समारोह के पोस्टर का हुआ विमोचन

वक्ताओं ने कहा माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद टांक, प्रतिभाओं के सम्मान से समाज को मिलती हैं नई दिशा

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान सरकार में माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टांक ने कहा कि प्रतिभाओं के सम्मान से समाज को नई दिशा मिलती है। टांक ने यह बात शुक्रवार को लक्ष्मनगढ में कुम्हार समाज द्वारा 14 जून को महावीर जांगिड़ भवन में आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह के पोस्टर विमोचन समारोह में कही ।?यहां कुमावत भवन में राजस्थान माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने समारोह के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान संयोजक मुकेश कुमावत की अगुवाई में प्रहलाद राय टाक का माल्यार्पण कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे ।इस दौरान प्रतिभा सम्मान समारोह की रूपरेखा, तैयारियों एवं समाज की होनहार प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।इस दौरान पूर्व शिक्षा अधिकारी अर्जुनलाल वर्मा,व्याख्याता शुभकरण कुमावत, अध्यापक संदीप कुमावत, मुकेश बड़ीवाल बनाई,संरक्षक कैलाशचंद नीरानिया, फूलचंद होदकासिया, पार्षद प्रतिनिधी सुशील कारगवाल, ताराचंद ठेकेदार, यदुनंदन कुमावत,कमल कुमावत, आयुर्वेदिक डॉक्टर रमेश प्रजापत,पवन प्रजापत बादुसर,पवन कुमावत,चौथमल बागोरीया, बिड्डू कुमावत,मुकेश होदकासिया,अजय ठेकेदार, ओमप्रकाश कुमावत, केशर देव तुनवाल, हरिराम चेजारा,महेंद्र बगड़ी, लालचंद कुमावत सहित समाज के प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

तार झूलते रहे, सिस्टम सोता रहा"किसका इंतज़ार

मंडावर में बंदर के झटके से टूटी विधुत लाइन, बाइक सवार परिवार बाल-बाल बचा

गांधी चौक पर बड़ा हादसा टला, बिजली विभाग की लापरवाही और बंदर पकड़ो अभियान पर खर्च लाखों रुपये अब सवालों के घेरे में।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवालद्ध । "हादसों को खबर बनने में देर नहीं लगती, बस सिस्टम की नींद खुलने में वक्त लग जाता है" मंडावर कस्बे के मुख्य बाजार गांधी चौक पर शुक्रवार सुबह ऐसा ही मंजर देखने को मिला, जब बिजली विभाग की लापरवाही और नगरपालिका की विफल व्यवस्थाओं ने मिलकर पूरे बाजार को दहशत में डाल दिया। सुबह करीब साढ़े 11 बजे चौक पर लंबे समय से ढीली लटक रही विद्युत सप्लाई लाइन पर एक उत्पाती बंदर के झूलने से तार अचानक टूटकर सड़क पर आ गिरा। गनीमत रही कि चंद सेकंड पहले ही एक बाइक सवार अपनी पत्नी और बच्चों को लेकर वहां से निकला था, जिसने सूझबूझ दिखाते हुए बाइक की रफ्तार बढ़ा दी और पूरा परिवार मौत के साए से बाल-बाल बच निकला।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि बाइक सवार कुछ पल भी रुक जाता तो करंट की चपेट में आने से एक बड़ा हादसा हो सकता था। तार टूटते ही गांधी चौक क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और दुकानदारों ने तत्काल लोगों को दूर हटाना शुरू किया। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों ने बिजली विभाग को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि विभाग की टीम करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंची। तब तक बाजार में भय और अव्यवस्था का माहौल बना रहा। बाद में क्षतिग्रस्त लाइन को दुरुस्त कर करीब एक घंटे बाद विद्युत आपूर्ति बहाल की जा सकी। घटना के बाद लोगों का गुस्सा खुलकर सामने आ गया। स्थानीय व्यापारियों और ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मंडावर शहर में बिजली व्यवस्था पूरी तरह बदहाल हो चुकी है। बाजारों और गलियों में जगह-जगह विद्युत तार झूल रहे हैं, लेकिन विभाग केवल कागजी मरम्मत तक सीमित नजर आ रहा है। भीषण गर्मी में लगातार ट्रिपिंग, लो वोल्टेज और खुले तारों की समस्या ने आमजन का जीना मुश्किल कर दिया है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ढीली लाइनों को दुरुस्त नहीं किया गया तो कभी भी जनहानि जैसी बड़ी घटना सामने आ सकती है। मामले में नगरपालिका प्रशासन भी सवालों के घेरे में आ गया है। शहरवासियों ने आरोप लगाया कि उत्पाती बंदरों को पकड़ने के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए गए, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। लोगों का कहना है कि बंदरों के झुंड पूरे दिन बिजली और अन्य तारों पर उछलकूद करते रहते हैं, जिससे तार ढीले होकर नीचे झूलने लगे हैं। यही कारण है कि अब बिजली लाइनें हादसों का कारण बनती जा रही हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि यदि सरकारी धन खर्च होने के बावजूद जनता को राहत नहीं मिली, तो ऐसे अभियानों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। ग्रामीणों और व्यापारियों का कहना है कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था सुधारी नहीं गई और बंदरों के आतंक पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। लोगों का कहना है कि "जब तारों पर बंदरों का राज और सिस्टम पर लापरवाही का ताज हो, तब हादसे सिर्फ वक्त का इंतजार करते हैं।" अब इस घटना ने बिजली विभाग और नगरपालिका प्रशासन दोनों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बामनवास में निकली कलश यात्रा, संगीतमय राम कथा अनुष्ठान शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । निकटवर्ती ग्राम बामनवास के जोहड़ा बालाजी मंदिर में संगीतमय राम कथा अनुष्ठान प्रारंभ हुआ। ग्रामवासियों के सहयोग से प्रारंभ हुए आयोजन गोपाल धाम रामपुरा के पंडित रतनलाल शर्मा के सानिध्य में सुबह 9:30 बजे डीजे के साथ गांव के प्रमुख मार्गो से होकर कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का ग्रामवासियों के द्वारा पुष्प वर्षा कर शानदार स्वागत किया गया। पंडित रतनलाल शर्मा ने बताया कि प्रतिदिन दोपहर 1:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक राम कथा का आयोजन होगा। 29 मई को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक एवं नव कुंडीय महायज्ञ का आयोजन होगा। सायंकाल 6 बजे पूर्णाहुति कन्या पूजन व प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कथावाचक शर्मा ने कहा कि पूर्व जन्मों के अच्छे संस्कार एवं पूर्वजों के आशीर्वाद से ही कथा कराने एवं सुनने का सौभाग्य प्राप्त होता है। भगवान का संकीर्तन नियमित रूप से करने एवं इस घोर कलयुग में गौ माता की सेवा करने की बात पर जोर दिया। भीषण गर्मी के बावजूद भी कथा में काफी महिला पुरुष एवं बच्चे मौजूद थे।

विधायक राजेन्द्र मीना ने सीएम को पत्र लिख उठाई बड़ी मांग

नयागांव स्कूल का नाम हो स्वतंत्रता सेनानी छुट्टनलाल मीना के नाम- राजेन्द्र मीना

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

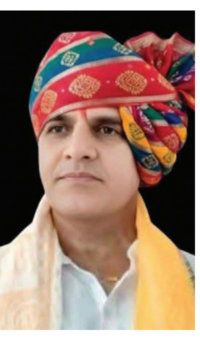

मनोज खंडेलवाल । महवा विधायक राजेन्द्र मीना ने क्षेत्र की जनभावनाओं से जुड़े मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जनजातीय आवासीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नयागांव (महवा) का नाम स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय कप्तान छुट्टनलाल मीना के नाम पर करने की मांग की है। विधायक ने अपने पत्र में कहा है कि देश, समाज और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले ऐसे महान व्यक्तित्व के नाम पर विद्यालय का नामकरण होना क्षेत्र के लिए गौरव का विषय होगा तथा नई पीढ़ी को प्रेरणा देने वाला कदम साबित होगा।विधायक ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में उल्लेख किया कि ढाबला निवासी स्वर्गीय कप्तान छुट्टनलाल पुत्र टुण्डाराम ने भारतीय सेना में कप्तान से लेकर कमिश्नर ऑफिसर तक महत्वपूर्ण सेवाएं दी थीं। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने इटली, ग्रीस, मिश्र, सीरिया और आयरलैंड के मोर्चों पर बहादुरी से युद्ध लड़ते हुए देशहित में अहम भूमिका निभाई थी। उनके साहस और वीरता को देखते हुए उन्हें कप्तान का ओहदा और गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था। सेना में सेवाएं देने के बाद उन्होंने राजनीति और समाजसेवा के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई।

पत्र में बताया गया कि स्वर्गीय छुट्टनलाल मीना वर्ष 1957 से 1971 तक विधायक रहे तथा वर्ष 1971 से 1977 तक सवाई माधोपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद के रूप में जनता की आवाज बनकर कार्य किया। उन्होंने ग्रामीण अंचलों में शिक्षा के प्रसार को लेकर विशेष अभियान चलाए और खासकर महिलाओं को शिक्षित करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए। समाज में फैले अंधविश्वास, कुरीतियों और पाखंड के खिलाफ भी उन्होंने जागरूकता फैलाकर सामाजिक सुधार की मजबूत नींव रखी। विधायक राजेन्द्र मीना ने पत्र में कहा कि स्वतंत्रता सेनानी, सैनिक, जनप्रतिनिधि और समाज सुधारक के रूप में स्वर्गीय छुट्टनलाल मीना का योगदान ऐतिहासिक रहा है। ऐसे में आमजन की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए नयागांव स्थित जनजातीय आवासीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का नाम उनके नाम पर किया जाना न्यायोचित और प्रेरणादायी कदम होगा। क्षेत्र में इस मांग को लेकर ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों में भी सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है तथा लोगों ने इसे क्षेत्र के सम्मान और गौरव से जुड़ा विषय बताया है।

टोहाना थाना शहर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी मामले में तीन आरोपियों को किया काबू

तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर भेजा गया न्यायिक हिरासत में

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना शहर टोहाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए जींद जिले के तीन आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने नरनगढ़ निवासी निर्मल सिंह पुत्र राजकुमार, कलवान निवासी अजय पुत्र भगवान तथा कलवान निवासी विक्रम उर्फ विल्ली पुत्र सुरजीत को काबू कर माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि वार्ड नंबर 20, हनुमान नगर दमकोरा रोड टोहाना निवासी अशोक कुमार पुत्र नफे सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह दिनांक 29 अप्रैल 2026 को अपनी मोटरसाइकिल लेकर जैन समाधि अस्पताल टोहाना गया था। शिकायतकर्ता ने अपनी मोटरसाइकिल अस्पताल के बाहर खड़ी कर उसे लॉक कर दिया था। कुछ समय बाद जब वह वापस लौटा तो उसकी मोटरसाइकिल वहां से गायब मिली। शिकायतकर्ता ने अपने स्तर पर मोटरसाइकिल की काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उसने पुलिस को शिकायत दी। शिकायत के आधार पर थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 130 दिनांक 07.05.2026 धारा 305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को काबू कर लिया। मामले की आगामी जांच जारी है।

मंडावर सीएचसी को पूर्व मुख्यमंत्री टीकाराम पालीवाल के नाम करने की मांग को लेकर विधायक राजेन्द्र मीना ने सीएम को लिखा पत्र

राजस्थान के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री रहे टीकाराम पालीवाल।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

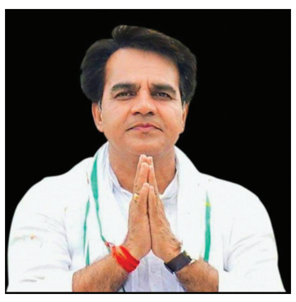

मनोज खंडेलवाल । महवा विधायक राजेन्द्र मीना ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर मंडावर स्थित राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का नाम राजस्थान के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय टीकाराम पालीवाल के नाम पर करने की मांग उठाई है। विधायक ने इसे क्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान, जनभावनाओं और स्वतंत्रता आंदोलन में दिए गए योगदान से जुड़ा विषय बताते हुए सरकार से सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है। विधायक द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि महवा विधानसभा क्षेत्र के उपखंड मंडावर कस्बे में जन्मे स्वर्गीय टीकाराम पालीवाल उन प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों में शामिल रहे, जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई के साथ-साथ राजस्थान की रियासतों के एकीकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आजादी के बाद वर्ष 1952 में वे राजस्थान के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री बने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत आधार देने में उनकी भूमिका ऐतिहासिक मानी जाती है। पत्र में कहा गया है कि स्वर्गीय टीकाराम पालीवाल का जीवन संघर्ष, जनसेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों की मिसाल रहा है। उन्होंने स्वतंत्र भारत और नवगठित राजस्थान को मजबूत प्रशासनिक दिशा देने का कार्य किया। ऐसे महान जननायक के नाम पर मंडावर के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का नामकरण होने से क्षेत्र की नई पीढ़ी को इतिहास से जुड़ने और जनसेवा की प्रेरणा मिलेगी। विधायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि मंडावर उपखंड की आमजनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए। क्षेत्र में इस मांग को लेकर मंडावर क्षेत्र की जनता में भारी उत्साह दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि मंडावर की धरती से जुड़े ऐसे ऐतिहासिक व्यक्तित्व को स्थायी सम्मान मिलना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात होगी। वहीं राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी इस मांग को क्षेत्रीय अस्मिता और ऐतिहासिक सम्मान से जोड़कर देखा जा रहा है।

जनगणना 2027 के सफल संचालन को लेकर डीसी डॉ. विवेक भारती ने जारी किए आदेश

सभी जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि व विभागीय अधिकारी जनगणना कार्य में करें सहयोग - डीसी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । भारत सरकार द्वारा जनगणना 2027 के संचालन को लेकर डीसी एवं प्रधान जनगणना अधिकारी डॉ. विवेक भारती ने आदेश जारी करते हुए जिला में जनगणना कार्य को सुचारू, समन्वित एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न करवाने के निर्देश दिए हैं। डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि जनगणना कार्य राष्ट्रीय महत्व का अभियान है और इसमें सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों तथा पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि नगर निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधि, नगर परिषद, नगर पालिकाएं तथा अन्य स्थानीय निकाय जनगणना अधिकारियों, सुपरवाइजरों और कर्मचारियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जिला के सभी सरपंच, पंच तथा ग्राम पंचायत सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में जनगणना कार्य को सफल बनाने में सहयोग करेंगे।साथ ही गांवों में नियुक्त नम्बरदार, ग्राम सचिव व अन्य स्थानीय अधिकारी भी जनगणना कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य को प्रभावी ढंग से पूरा करवाएंगे। प्रशासन द्वारा जनगणना कार्य के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं ताकि किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।डीसी ने निर्देश दिए कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, बाधा या निर्देशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ जनगणना अधिनियम 1948 तथा लागू नियमों के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनगणना 2027 को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करें।

जिला की सभी सडक़ें गड्ढा मुक्त हों, सडक़ सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करें: डीसी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला की सभी मुख्य एवं संपर्क सडक़ों को गड्ढा मुक्त बनाया जाए। सडक़ मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और जहां भी सडक़ें क्षतिग्रस्त हैं वहां शीघ्र प्रभाव से मरम्मत कार्य पूर्ण किए जाएं। सरकार की प्राथमिकता सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था उपलब्ध करवाना है। यह निर्देश डीसी डॉ. विवेक भारती ने जिला स्तरीय सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। इस अवसर पर आरटीए सचिव संजय बिश्नोई एवं सीटीएम गौरव गुप्ता उपस्थित रहे। बैठक में जिला में सडक़ सुरक्षा व्यवस्था, सडक़ दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सडक़ सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि आमजन को सुरक्षित यातायात सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। डीसी डॉ. विवेक भारती ने लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, नगर परिषद तथा संबंधित एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सडक़ मार्किंग, जेब्रा ₹ ॉसिंग, कैट आई, स्पीड लिमिट बोर्ड, दिशा सूचक संकेतक तथा ट्रैफिक सिग्नलों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ब्लैक स्पॉट स्थलों की नियमित निगरानी की जाए तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाएं। शिक्षण संस्थान, बाजारों तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों के आसपास विशेष सावधानी बरतने के निर्देश भी दिए गए ताकि आमजन, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

नारनौल में भ्रूण लिंग जांच गिरोह का भंडाफोड़: महिला को फर्जी ग्राहक बनाकर भेजा, 35 हजार रुपए मांगे, राजस्थान का आरोपी अरेस्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

नारनौल में जिला समुचित प्राधिकरण पीसीपीएनडीटी नारनौल की टीम ने कार्रवाई करते हुए भ्रूण लिंग जांच करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। टीम ने राजस्थान निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, 21 मई 2026 को पीसीपीएनडीटी टीम को सूचना मिली थी कि हरियाणा-राजस्थान सीमा क्षेत्र में भ्रूण लिंग जांच का अवैध धंधा चल रहा है। सूचना के आधार पर डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. हर्ष चौहान के नेतृत्व में टीम गठित की गई और डिकॉय ग्राहक तैयार कर कार्रवाई की गई। टीम ने एक गर्भवती महिला को डिकॉय मरीज बनाकर आरोपी से संपर्क कराया। आरोपी ने भ्रूण लिंग जांच के लिए 35 हजार रुपए मांगे। जिसके बाद महिला को आरोपी द्वारा बताए गए स्थान पर भेजा गया। आरोपी धंतर निवासी कल्याण, जिला झुंझुनूं (राजस्थान) अपनी बाइक पर महिला को लेकर एक सुनसान स्थान पर पहुंचा, जहां भ्रूण लिंग जांच की गई।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल में बच्चों ने पूल पार्टी में की जमकर मस्ती

भीम प्रज्ञा न्यूज.निजामपुर।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल में आज छोटे-छोटे बच्चों के लिए एक शानदार पूल पार्टी का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने पानी में खेलते हुए खूब मस्ती की और आनंद उठाया। कार्यक्र म का माहौल पूरे समय उत्साह, उल्लास और मनोरंजन से भरपूर रहा। संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव एवं वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने बच्चों के साथ पूल पार्टी का भरपूर आनंद लिया और उनका उत्साहवर्धन किया। संस्था के प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव तथा निदेशिका डॉ. रविन्द्रा यादव ने बच्चों को पूल पार्टी के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास में सहायक होती हैं। उन्होंने सभी बच्चों को ठंडा एवं स्वादिष्ट रूहअफजा भी पिलाया। किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी ने बताया कि विद्यालय में बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ मनोरंजन एवं रचनात्मक गतिविधियों से भी जोड़ा जाता है, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अजीत सिंह, उप-प्राचार्य प्रवीण कुमार शर्मा सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

तिगरा में ग्वार फसल में जडग़लन रोग पर जागरूकता शिविर का आयोजन

फसल की बिजाई से पहिले अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच अवश्य करवाएं तथा खाद का उपयोग मिट्टी की जांच के आधार पर करें- डॉ. बी.डी. यादव

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । कृषि विज्ञान केन्द्र महेन्द्रगढ़ व क हिन्दुस्तान गम् एण्ड केमिकल्स भिवानी की ओर से क्षेत्र के गांव तिगरा में कृषि गोष्ठी व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। गोष्ठी में खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में ग्वार की अधिक करके तथा उत्पादकता बढ़ाने के मकसद से महेंद्रगढ़ जिले के खण्ड अटेली के गांव तिगरा में ग्वार फसल पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। किसानों को सही समय पर बिजाई, बीज उपचार, संतुलित खाद का प्रयोग व अनावश्यक खरपतवार नाशक दवाई न प्रयोग करने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर शिविर में 102 मौजूद किसानों को बीज उपचार के लिए दो एकड़ की वेस्टर्न बीज उपचार की दवाई तथा एक मास्क हिन्दुस्तान गम् एण्ड केमिकल्स भिवानी की तरफ से मुफ्त दी गई। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी सभा का आयोजन किया गया और जिस किसान ने सही जवाब दिया उनको सम्मानित किया गया। शिविर ट्रेनिंग का आयोजन ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बी. डी. यादव के साथ मिलकर किया गया जिसमें डॉ. सत्यजीत यादव, संयोजक मुख्य अतिथि थे तथा इसकी अध्यक्षता डॉ नरेंद्र सिंह ने की। ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बी.डी. यादव ने बताया कि इस क्षेत्र में जड्गलन रोग काफी बढ़ती जा रहा है और किसानों से रूबरू होने से पता चला कि इस बीमारी व इसकी रोकथाम के बारे में कुछ किसानों को जानकारी है। इसलिए इस तरह की ट्रेनिंग करना और भी जरूरी हो जाता है। इस बात को ध्यान को रखते हुए इस गांव तिगरा में ग्वार फसल पर ट्रेनिंग आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने किसानों को सलाह दी किसी भी फसल की बिजाई से पहले अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच अवश्य करवाएं तथा खाद का उपयोग मिट्टी की जांच के आधार पर करें। मिट्टी जांघ से यह पता चलता है किस जमींन में कौनसे पोषक तत्व की कमी है। कैसे करें - बीज का उपचार जडग़लन रोग की रोकथाम के लिए 3 ग्राम कार्बन्डाजिम 50 प्रतिशत (बेविस्टीन) प्रतिकिलो बीज की दर से सुखा उपचारित करने के बाद ही बिजाई करनी चाहिए। ऐसा करने से 80 से 95 प्रतिशत इस रोग पर काबू पाया जा सकता है। जड़ गलन रोग का इलाज मात्र 15 रुपये बीज उपचार से संभव है। ग्वार विशेषज्ञ ने इस बीमारी की रोकथाम के लिए बीज उपचार ही एकमात्र हल बताया। इसे गरीब से गरीब किसान भी कर सकता है। कोनसी किस्में बीजें- इस गांव के क्षेत्र में पानी की कमी है और जमीन भी हल्की है इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि ग्वार की उन्नतशील किस्में एचजी 365 व एचजी 563 की ही बिजाई करें। ये किस्में 85 से 100 दिन में पककर तैयार हो जाती। ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बी.डी. यादव ने बताया कि ग्वार की अच्छी पैदावार लेने के लिए अपने खेत में गोबर की खाद 2-3 साल में अवश्य डालें इससे जमीन की उर्वरा शक्ति बनी रहेगी।बिजाई का उचित समय: गोष्ठी के दौरान डॉ. यादव ने किसानों को विशेष सलाह दी कि इस क्षेत्र में पानी की कमी है और पानी का स्तर बहुत नीचे गिरता जा रहा है। इसलिए किसान पानी लगाकर ग्वार की बिजाई न करें। ग्वार की अच्छी पैदावार लेने के लिए जून का दूसरा पखवाड़ा बिजाई के लिए सबसे उचित है ग्वार की बिजाई मानसून की अच्छी बारिश आने पर ही करें। फसलों की बीमारी की रोकथाम डॉ. नरेंद्र सिंह, फसल बीमारी विशेषज्ञ ने किसानों को ग्वार फसल पर लगने वाली जीवाणु अंगमारी बीमारी व उसकी रोकथाम के बारे में पूरी जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने बाजरा के जड़ में लगने वाला कीड़ा सफेद लट जो कि इस क्षेत्र में काफी नुकसान पहुंचाता के बारे में बताया कि यह फसल को किस तरह से नुकसान करता है तथा इसके रोकथाम के बारे में भी पूरी जानकारी दी। गोष्ठी में गांव के प्रगतिशील किसान राजू पहलवान, सुधीर, मुकेश, सुरेन्द्र, विरेन्द्र, अभयसिंह, मास्टर रतिराम, रामअवतार, डॉ. जितेन्द्र पाल आदि किसान मौजूद थे।

प्रिंस से बोले अर्शदीप अब मुझे नाम से बुलाओ

मुम्बई (ईएममएस)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में शानदार गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किया गया है। ये पहली बार है जब प्रिंस भारतीय टीम से खेलते हुए दिखेंगे। इसी को देखते हुए उन्हें भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने मजेदार अंदाज में बधाई दी। प्रिंस अर्शदीप को भैया कहकर बुलाते है। इसी को देखते हुए अर्शदीप ने कहा है कि अब टीम में आ गया है इसीलिए नाम से बुला। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। ये वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। यह मजेदार और सहज बातचीत दोनों खिलाड़ियों के बीच की अच्छी केमिस्ट्री और अर्शदीप के परिपक्व रवैये को दर्शाती है, जो एक जूनियर खिलाड़ी को बड़े सम्मान के साथ संबोधित करने के लिए कह रहे हैं। यह वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो गया है।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी पंजाब

लखनऊ। आईपीएल में शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम अपने अंतिम लीग मैच में पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। लखनऊ की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर अपनी प्रतिष्ठा बचाना रहेगा। सुपरजायंटस इस सत्र में अभी अंतिम स्थान पर है और उसके केवल 8 अंक है। ऐसें उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर पंजाब के खेल को बिगाड़ना रहेगा। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स टीम किस भी हाल में ये मैच बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी । अभी पंजाब के अभी 13 अंक हैं और वह अगर ये मैच जीतती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे। टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं होगा क्योंकि पिछले छह मैचों से मिली हार से उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इसके अलावा टीम पर अतिरिक्त दबाव भी रहेगा। वहीं सुपर जायंट्स पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है ऐसे में वह निडर होकर आक्रामक अंदाज में उतरेगी जिसको देखते हुए पंजाब को सावधान रहना होगा। पंजाब की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान अर्शदीप सिंह और लॉकी फर्ग्यूसन के पास रहेगी। दूसरी ओर सुपरजायंट की बल्लेबाजी मिचेल मार्श, जोश इंग्लिस के अलावा कप्तान ऋषभ पंत पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान प्रिंस यादव , शाहबाज अहमद के पास रहेगी आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 7 मैच हुए हैं जिसमें से लखनऊ सुपर जायंट्स ने 3 जबकि पंजाब किंग्स ने 4 मैच जीते हैं। ऐसे में दोनो ही टीमें जीत के लिए बराबर की दावेदार नजर आती हैं पर जिस प्रकार से सुपर जायंट्स ने हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को भी हराया था उससे प्रेरित होकर टीम का लक्ष्य इस प्रदर्शन को फिर दोहराना रहेगा। ऐसे में पंजाब को विशेष रुप से सतर्क रहना होगा। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं - लखनऊ सुपर जाइंट्स = ऋषभ पंत (कप्तान), अब्दुल समद, आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, हिम्मत सिंह, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज़ अहमद, अवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, मयंक प्रभु यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिक नोर्किया, जोश इंग्लिस, मोहसिन खान, नमन तिवारी, आकाश महाराज सिंह, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, अक्षत रघुवंशी। पंजाब किंग्स -श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, पाइला अविनाश, यश ठाकुर, हरनूर सिंह, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

शाहीन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पाक टीम

बाबर और राऊफ की वापसी

लाहौर (ईएमएस)। शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने उतरेगी। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। यह घरेलू सीरीज इसी माह के अंत में 30 मई से 4 जून तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी। इस टीम में ऑलराउंडर सलमान अली आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गयी है। इस सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बाबार की इसलिए वापसी हुई है क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाक सुपर लीग (पीएसएल) में अच्छा प्रदर्शन किया था। बाबर के अलावा टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज हारिस रऊफ, प्रतिभाशाली नसीम शाह, उपकप्तान शादाब खान और सुर्फयान मोकीम को भी टीम में जगह दी गयी है। ये सभी भी बांग्लादेश सीरीज में शामिल नहीं थे। चयनकर्ताओं ने टीम में तीन नए खिलाड़ियों को भी अवसर दिया है, जिनमें अहमद दानियाल, अराफात मिन्हास और रोहेल नजीर हैं। इन तीनों खिलाड़ियों को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण का मौका मिल सकता है। वहीं बांग्लादेश सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सलमान अली आगा, अब्दुल समद, अबरार अहमद, माज सादाकत, मुहम्मद ग़ाज़ी घोरी, साहिबजादा फरहान और शमायल हुसैन जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में जगह मिली है। , टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मुहम्मद ग़ाज़ी घोरी और नये खिलाड़ी रोहेल नजीर को दी गई है।

शुभमन ने तीसरी बार आईपीएल में 600 से अधिक रनों के साथ बनाया रिकार्ड

अहमदाबाद ।

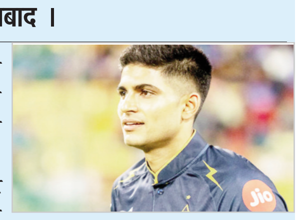

गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए शुभमन गिल ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 600 से अधिक रन बनाये हैं। इस प्रकार वह तीन बार इस टूर्नामेंट में ये अहम उपलब्धि हासिल करने वाले कप्तानों की सूची में नंबर एक पर पहुंच गये हैं। शुभमन ने अपने करियर में तीसरी बार और कप्तान के रूप में दूसरी बार यह 600 से अधिक रन किसी एक सत्र में बनाये। इसी के साथ ही शुभमन आईपीएल इतिहास में चौथे ऐसे कप्तान बने हैं जिन्होंने एक सत्र में 600 से ज्यादा रन बनाये हैं। इससे पहले विराट ने 2025 सत्र में 600 से अधिक रन बनाये थे। वहीं शुभमन ने करियर में तीसरी बार 600 से अधिक रन बनाये हैं। इससे पहले उन्होंने 2023 में 890 रन बनाए थे, जो एक सत्र में किसी खिलाड़ी द्वारा बनाये दूसरे सबसे ज्यादा रन है। इस शानदार उपलब्धि के साथ ही शुभमन कप्तान के रूप में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली ने साल 2013 में एक बार उपलब्धि हासिल की थी। तब कोहली भी सबसे कम उम्र में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन सीजन बनाने वाले खिलाड़ी थे। दिग्गज कोहली ने साल 2016 में अपने करियर में दूसरी बार 600 रन से अधिक बनाये थे। वहीं डेविड वॉर्नर एकमात्र अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार सत्र में कप्तान रहते हुए 600 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं।

सीएसके के अंशुल कंबोज के नाम दर्ज हुआ सबसे अधिक छक्के खाने का अनचाहा रिकार्ड

अहमदाबाद ।

तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में शुरुआत से ही शानदार गेंदबाजी की पर अंतिम तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण उनके नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मैच में अंशुल की गेंदों पर चार छक्के लगे। इसी के साथ ही कंबोज के नाम एक आईपीएल सत्र में सबसे ज़्यादा छक्के खाने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया।

इस सत्र में अंशुल ने सीएसके की ओर से कुल 14 लीग मैच खेले और हैरानी की बात है कि इन मैचों में उनपर कुल 34 छक्के लगे। इससे पहले, एक आईपीएल सत्र में सबसे ज़्यादा छक्के खाने का रिकॉर्ड स्पिन राशिद खान के नाम था, जिनके खिलाफ आईपीएल 2025 में 33 छक्के लगे थे।

अंशुल ने हालांकि इस सत्र में अच्छी शुरुआत करते हुए विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में बनाये रखा। इसी कारण वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में भी शामिल रहे। सटीक यॉर्कर और विकेट लेने की क्षमता से वह सीएसके के मुख्य गेंदबाज बनकर उभरे हैं।

उनकी खराब फॉर्म का एक सबसे बड़ा उदाहरण सीएसके के 12वें लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ देखने को मिला था। उस मैच में लखनऊ के बल्लेबाजों ने अंशुल के खिलाफ आठ छक्के लगाए थे, जो एक आईपीएल मैच में किसी भी गेंदबाज द्वारा खाए गए सबसे ज़्यादा छक्कों का रिकॉर्ड है।

छक्कों के इस रिकॉर्ड के अलावा, अंशुल ने आईपीएल 2026 में कुल 530 रन भी दिये। इससे वह इस साल के आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन लुटाने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। हालांकि, यह आईपीएल के एक सीज़न में सबसे ज़्यादा रन लुटाने का ऑल-टाइम रिकॉर्ड नहीं है। वह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस के नाम है, जिन्होंने आईपीएल 2024 के 16 मैचों में कुल 566 रन दिए थे। इस सूची में उनके बाद तुषार देशपांडे के नाम है। तुषार ने आईपीएल 2023 में 564 रन दिये जबकि राशिद खान ने 2023 में 552 रन दिये थे।

संक्षिप्त समाचार

श्रेयस अय्यर की तस्वीर रुसी इंफ्लुएंसर के साथ देखकर प्रशंसक हुए हैरान

मुम्बई ।

आईपीएल में पंजाब किंग्स टीम का प्रदर्शन अच्छी शुरुआत के बाद खराब हुआ है और वह प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए 7 में से 6 मैच जीते थे पर इसके बाद टीम प्रदर्शन खराब हुआ तो उसने रुकने का नाम नहीं लिया। उसे पिछले 6 लगातार मैच में लगातार हार मिली है। जिससे अब टीम प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। इसके लिए टीम को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच हर हाल में जीतना है। वहीं इसी बीच कप्तान श्रेयस श्रेयस अय्यर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर एक पेज चलाने वाली लड़की के साथ देखकर प्रशंसक हैरान हुए हैं और जानना चाहते हैं कि ये लड़की कौन है। ये तस्वीर धर्मशाला में ली गई है, जहां अपने पिछले मुकाबले में 17 मई को पंजाब किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेला था। वहीं ये लड़की इंडोस्वेटिका नाम से सोशल मीडिया पेज चलाती है और एक रूसी ट्रैवल कंटेंट क्रिएटर और इंफ्लुएंसर है। उसका असली नाम स्वेतलाना है और वह भारत में ही रहती हैं और भारतीय संस्कृति, ट्रैवल, खाने-पीने, रोजमर्रा की जिंदगी और ह्यूमर पर वीडियो बनाती हैं। उसके पेज का नाम इंडोस्वेटिका÷ है। वह रूस और भारत के बीच तुलना वाले विषय जैसे चाय, कीमतें, संस्कृति, यात्रा पर बनाती हैं। आईपीएल में वह पंजाब किंग्स का समर्थन करती दिखती हैं। उसने धर्मशाला में कई वीडियो बनाए हैं। इसको उनके इंस्टाग्राम पेज पर देखा जा सकता है। स्वेता की पेज पर 5 हजार फॉलोअर्स हैं। इसलिए श्रेयस की तस्वरी ऐसा लगता है कि यह सिर्फ एक प्रशंसक के तौर पर ली गई तस्वीर है हालांकि प्रशंसक इस तस्वीर को देखकर उत्साहित जरुर हैं।

शिवरामकृष्णन ने बीसीसीआई पर लगाया गंभीर आरोप

मुम्बइ।

पूर्व स्पिनर एल. शिवरामकृष्णन ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर निशाना साधा है। शिवरामकृष्णन ने कहा है कि कुछ साल पहले अपने बड़े भाई के अंतिम संस्कार लिए वह घर लौटे थे पर कुछ ही समय के बाद उन्हें वापस लौटने को कहा गया था। शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया पर कहा कि तब उनके पास बीसीसीआई के एक अधिकारी का फोन आया। अधिकारी ने उनसे पूछा, अब जब अंतिम संस्कार हो गया है तो क्या आप अगली उड़ान से मोहाली में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच की कमेंट्री करने आ सकते हैं? शिवरामकृष्णन ने कहा कि इस कठिन समय में भी उन्होंने अपनरे काम को महत्व दिया और वह मैच के लिए वापस लौटे। इस खिलाड़ी ने कहा कि इसके बाद भी उनको पर्याप्त सम्मान नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने एक और दुखद घटना का जिक्र किया और कहा कि पुणे में जब वह कमेंट्री कर रहे थे तो उनकी माँ का निधन हो गया था। इसके बाद भी वह काम पूरा होने पर ही घर गये थे। शिवरामकृष्णन का कहना है कि इन बलिदानों और समर्पण भाव के बाद भी उन्हें लगातार नजरअंदाज किया गया और कभी भी पर्याप्त अवसर नहीं दिए गए। गौरतब है कि इससे पहले शिवरामकृष्णन ने बीसीसीआई पर भेदभाव का आरोप लगाया था। साथ ही कहा था कि उन्हें काले रंग के कारण भेदभाव का शिकार होना पड़ा था। इसी कारण से उन्होंने परेशान होकर हाल में कमेंट्री कसे भी संन्यास ले लिया था। शिवरामकृष्णन ने अपने करियर में साल 1983 से 1987 के बीच भारतीय टीम के लिए 9 टेस्ट और 16 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैच खेले, जिसमें कुल 41 विकेट हासिल किए। बाद में वह दशक तक कमेंट्री करते रहे। शिवरामकृष्णन ने पहले भी कई बार कहा है कि उन्होंने अपने जीवन भर रंगभेद का सामना किया है और अब वे इसके आदी हो चुके हैं।

वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल बोले, आईपीएल में बिहार की भी टीम हो

मुम्बई । देश के बड़े उद्योगपति और वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल ने कहा है कि बिहार में इतनी प्रतिभाएं है कि आईपीएल में उसकी एक टीम तक बन जाये। इससे अब आईपीएल में बिहार से भी एक टीम लाने की मांग उठने लगी है। अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर कहा कि बिहार में क्रिकेट की आपार प्रतिभाएं है बस उन्हें पहचान के लिए एक मंच मिलना चाहिये। उनके इस बयान के बाद राज्य भर के क्रिकेट प्रेमियों और खेल जगत में उत्साह और चर्चा का माहौल है कि क्या आने वाले समय में बिहार की अपनी एक आईपीएल टीम देखने को मिलेगी।

मूल रूप से बिहार के रहने वाले अनिल अग्रवाल का अपने गृह राज्य से गहरा जुड़ाव हमेशा बना रहता है। वे अक्सर ही बिहार की तारीफ करते हैं और यहां के युवाओं की प्रतिभा का जिक्र करते रहते हैं। उनका यह नया बयान इसी जुड़ाव और राज्य के प्रति उनकी भावनाओं को दिखाता है।

अपने पोस्ट में अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमें अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करती हैं, उसी तरह बिहार की भी एक मजबूत और प्रतिष्ठित आईपीएल टीम होनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि बिहार ने देश को कई बेहतरीन क्रिकेटर दिए हैं, लेकिन फिर भी राज्य को क्रिकेट में वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसका वह अधिकारी है। उन्होंने बिहार में मौजूद क्रिकेट प्रतिभा को सामने लाने के लिए एक बड़े मंच की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बिहार के कुछ असाधारण खिलाड़ियों का उदाहरण भी दिया, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। पटना में जन्मे ईशान किशन ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। समस्तीपुर के युवा वैभव सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं, जबकि गोपालगंज के साकिब हुसैन अपनी शानदार गेंदबाजी से सबका ध्यान खींच रहे हैं। अग्रवाल ने इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों को बिहार में मौजूद असीमित प्रतिभा का प्रमाण बताया, जो केवल सही अवसर और मंच का इंतजार कर रही है। अनिल अग्रवाल ने कहा कि उनका सपना है कि बिहार के युवाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का पूरा अवसर मिले। उन्होंने विश्वास जताया कि अगर बिहार के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और आधुनिक बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाए, तो यहां की टीम दुनिया की शीर्ष क्रिकेट टीमों में से एक बन सकती है।

विनेश मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को लगायी फटकार

केंद्र सरकार को विशेषज्ञ कमेटी बनाने के निर्देश दिए

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के फैसले को लेकर उसे कड़ी फटकार लगायी है। वहीं कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह विनेश के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाकर उनका मूल्यांकन करे और आगामी एशियन गेम्स के चयन ट्रायल में उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करे। विनेश मैटरनिटी ब्रेक के बाद खेल में वापसी कर रही है। वहीं डब्ल्यूएफआई ने विनेश को ट्रायल के लिए आयोग्य घोषित करते हुए कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसमें उन पर नुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए चार सवालों के जवाब मांगे थे। इसके साथ ही डब्ल्यूएफआई ने विनेश के किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में शामिल होने पर 26 जून, 2026 तक रोक लगा दी थी। डब्ल्यूएफआई के इस फैसले के कारण से विनेश नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। विनेश ट्रायल की अनुमति मांगने के लिए डब्ल्यूएफआई के पास पहुंची थीं, लेकिन उनकी अपील को खारिज कर दिया गया था। डब्ल्यूएफआई ने विनेश की नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के ट्रायल में शामिल होने की अपील यह कहकर ठुकरा दी थी कि उनके खिलाफ वाडा के 5.6.1 नियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई चल रही है। डब्ल्यूएफआई के अनुसार, इस नियम के मुताबिक संन्यास से वापसी कर रहे खिलाड़ियों को किसी भी टूर्नामेंट में खेलने से पहले कम से कम छह महीने तक का नोटिस पूरा करना जरूरी होता है।इसके बाद विनेश ने कोर्ट में अपील की जिसमें कहा गया था कि एशियन गेम्स के लिए 30 और 31 मई को होने वाले ट्रायल में शामिल होने की उन्हें अनुमति दी जाये। उसी के बाद कोर्ट का ये फैसला आया है।

शाहीन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पाक टीम

बाबर और राऊफ की वापसी

लाहौर ।

शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने उतरेगी। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। यह घरेलू सीरीज इसी माह के अंत में 30 मई से 4 जून तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी। इस टीम में ऑलराउंडर सलमान अली आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गयी है। इस सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बाबार की इसलिए वापसी हुई है क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाक सुपर लीग (पीएसएल) में अच्छा प्रदर्शन किया था।

क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हारीं अश्मिता चालिहा मलेशिया मास्टर्स में भारत की चुनौती समाप्त

कुआलालंपुर।

भारतीय शटलर अश्मिता चालिहा का मलेशिया मास्टर्स में अभियान शुक्रवार को हार के साथ समाप्त हो गया। अश्मिता को महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क की पूर्व यूरोपियन गेम्स चैंपियन लाइन केयर्सफेल्ड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। अश्मिता के बाहर होने के साथ ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी खत्म हो गई। बैडमिंटन रैंकिंग में 71वें नंबर पर मौजूद अश्मिता ने पहला गेम जीता, लेकिन आखिर में 23वें नंबर की विरोधी खिलाड़ी से 61 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 18-21, 11-21 से हार गईं। भारतीय युवा खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की और गेम के बीच में 11-6 की बढ़त बना ली।

23वीं रैंक वाली केयर्सफेल्ड की जबरदस्त वापसी की और स्कोर को 17-17 से बराबर कर दिया। हालांकि, अश्मिता ने अपना दमखम दिखाया और पहला गेम 23-21 से जीत लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में 10-5 की बढ़त बनाने के बाद अश्मिता लगातार गेम जीतने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रही थीं। हालांकि, केयर्सफेल्ड ने मैच का मोमेंटम बदल दिया, और ब्रेक तक अंतर 11-10 कर दिया। दोबारा गेम शुरू होने पर, केयर्सफेल्ड ने स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। फिर उन्होंने चार पॉइंट की स्ट्रीक के साथ 18-15 की बढ़त बनाई और आखिर में गेम 21-18 से जीतकर अश्मिता को निर्णायक गेम खेलने पर मजबूर कर दिया।

आखिरी गेम 4-4 से बराबरी पर शुरू हुआ, फिर केयर्सफेल्ड ने मैच में पूरा कंट्रोल कर लिया, और 13-6 की बढ़त बना ली। अश्मिता संभल नहीं पाईं, और केयर्सफेल्ड ने आराम से मैच जीतकर निर्णायक सेट 21-11 से अपने नाम कर लिया, जिससे कुआलालंपुर में भारत का अभियान खत्म हो गया।

शराब छोड़ने के बाद बदली मेरी जिंदगी चहल

नई दिल्ली । भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल पिछले काफी समय से खराब दौर से गुजरें हैं। इस दौरान उनकी निजी जिंदगी में भी उथल-पुथल रही है। इसी को लेकर चहल ने खुलासा किया है। कि शीराब छोड़ने के उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आया है ओर वह पहले से बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि शराब छोड़ने का फैसला उनके लिए सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ है। इसके कारण वह अवसाद से उबरने में भी सफल रहे हैं। । चहल ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा फैसला है। शराब को अपनी जिंदगी से हटाने के बाद मैं कह सकता हूं कि मेरा जीवन पूरी तरह बदल गया है। अब मैं अपने परिवार और दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताता हूं। उन्होंने आगे बताया कि कैसे इस बदलाव ने उन्हें जीवन में और अधिक स्पष्टता दी है। अब मुझे अपनी लाइफ में क्या चल रहा है, कौन मेरे साथ है और कौन नहीं, यह सब और ज्यादा साफ समझ आता है। पहले मैं इन सब चीजों के बारे में बहुत सोचता था, लेकिन अब मैं अपने पर ध्यान देता हूं। साथ ही कहा कि यह फैसला उन्होंने तब लिया जब उन्हें एहसास हुआ कि शराब उनके लिए सही नहीं थी और वह लिमिट से बाहर जा चुके थे। उन्होंने स्वीकार किया कि उस वक्त वह अवसाद में थे और उनकी मानसिक सेहमत भी ठीक नहीं थी। चहल ने माना है कि इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि उन्हें वापस जाकर इस समस्या को ठीक करना चाहिए।शराब छोड़ने के बाद अब वह गोल्फ और गो-कार्टिंग जैसे खेलों में भी समय बिताते हैं। आईपीएल के वर्तमान सत्र में चहल ने पंजाब किंग्स के लिए अच्छा प्रदर्शन करते हुए 13 मैचों में 10 विकेट लिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने सीरियाई राष्ट्रपति को फिर अपना परफ्यूम भेजा, कहा- पुराना वाला खत्म हो गया होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने खुलासा किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें अपने ब्रांड 'विक्ट्रीं' कोलोन की नई बोतलें भेजी हैं। ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद पिछली बार दी गई खुशबू खत्म हो गई होगी। अल-शरा ने सोशल मीडिया पर दो कोलोन बोतलों की तस्वीर साझा की, इसके साथ ट्रम्प का एक संदेश भी था, जिसमें लिखा था, 'हमारी तस्वीर की काफी चर्चा हो रही है, जब मैंने तुम्हें यह शानदार कोलोन दिया था। अगर तुम्हारे पास खत्म हो गया हो तो ये रही नई बोतलें।' सीरियाई राष्ट्रपति ने पोस्ट में ट्रम्प को धन्यवाद देते हुए लिखा कि कुछ मुलाकातें गहरी छाप छोड़ जाती हैं और वह उम्मीद करते हैं कि उस मुलाकात की भावना सीरिया और अमेरिका के रिश्तों को और मजबूत करेगी। पिछले साल नवंबर में दोनों नेताओं की मुलाकात का वीडियो भी काफी चर्चा में रहा था। वीडियो में ट्रम्प अल-शरा पर अपना ब्रांडेड कोलोन स्प्रे करते दिखाई दिए थे और बाद में उन्हें वह गिफ्ट कर दिया था। इसी दौरान ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में अल-शरा से पूछा था कि उनकी कितनी पत्नियां हैं। अल-शरा ने हंसते हुए जवाब दिया था कि उनकी सिर्फ एक पत्नी है। इसके बाद ट्रम्प ने मजाक में उनके कंधे पर थपकी दी थी।

जो मैं कहूंगा, वही करेंगे नेतन्याहू; ट्रंप का बड़ा दावा-दो साल बाद इजरायल में लड़ूंगा प्रधानमंत्री चुनाव, 99% मेरी रेटिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फिर एक ऐसा दावा किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय जगत में हलचल पैदा हो गई है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि इजरायल में उनकी लोकप्रियता 99 प्रतिशत है और मजाकिया अंदाज में कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा होने के बाद (2028 में) वह वहां प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें एक ताजा सर्वेक्षण में बेहद ऊंची रेटिंग मिली है। उन्होंने कहा, 'तो शायद यह काम पूरा करने के बाद, मैं इजरायल जाऊंगा और प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ूंगा। आज सुबह ही एक जनमत सर्वेक्षण आया है, जिसमें मेरी रेटिंग 99% है। जब पत्रकारों ने उनसे ईरान पर संभावित हमले के बारे में पूछा, तो ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य के साथ किसी समझौते पर पहुंचने की उन्हें 'कोई जल्दी नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हमें होर्मुज समुद्री मार्ग को खोलना होगा, वह तुरंत खुल जाएगा, इसलिए हम इसे एक मौका देंगे। मुझे कोई जल्दी नहीं है। हर कोई कह रहा है, 'ओह, मध्यावधि चुनाव आ रहे हैं।' आदर्श रूप से, मैं चाहूंगा कि कम से कम लोग मारे जाएं, न कि बहुत ज्यादा।' पत्रकार लगातार ट्रंप से पूछते रहे कि उन्होंने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से इस हमले के बारे में क्या कहा है? इस पर रिपब्लिकन नेता ने जवाब दिया, 'वह बहुत अच्छे इंसान हैं; वह वही करेंगे जो मैं उनसे करवाना चाहूंगा। और वह एक बेहतरीन व्यक्ति हैं... यह मत भूलिए कि वह युद्धकालीन प्रधानमंत्री रह चुके हैं।' उन्होंने यह दावा भी किया कि इजरायल में नेतन्याहू के साथ 'सही बर्ताव नहीं किया जाता है। ट्रंप ने कल ही ईरान को एक नई चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 'एक और बड़ा हमला' हो सकता है।

पाकिस्तान में मारे गए 14 आतंकी, भीषण गोलीबारी में मुमताज इम्ती की भी हुई मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र समूहों के बीच बुधवार को हुई झड़प में कम से कम 14 आतंकवादी मारे गए। इस खूनी झड़प में कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे मध्य कुर्रम जिले के मनातो कामरान इलाके में स्वयंभू आतंकी कमांडरों काजिम और मुमताज इम्ती नीत समूहों के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी में मुमताज इम्ती भी मारा गया है। झड़प के बाद स्थानीय लोगों ने शवों को उसी इलाके में दफना दिया। मध्य कुर्रम में कई आतंकवादी गुटों की मौजूदगी की खबरों के बीच कई बार अभियान चलाए गए हैं। बता दें कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने मंगलवार को क्वेटा छावनी का दौरा किया था। जहां उन्होंने अशांत बलूचिस्तान प्रांत में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की थी। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान के मुताबिक, फील्ड मार्शल मुनीर ने अपने दौरे के दौरान क्वेटा स्थित कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में छात्र अधिकारियों और संकाय सदस्यों को भी संबोधित किया था। मुनीर ने बलूचिस्तान में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की और मौजूदा सुरक्षा माहौल के पहलुओं पर जोर दिया। मुनीर ने दोहराया कि पाकिस्तानी सशस्त्र बल सभी तहत के आतंकवाद के उन्मूलन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। मालूम हो कि पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत काफी अशांत है।

बांग्लादेश ने तीस्ता और पद्मा बैराज प्रोजेक्ट का किया ऐलान, चीन से अरबों डॉलर की मांगी फंडिंग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपनी जल समस्याओं को सुलझाने और कृषि को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और बीएनपी चेयरमैन तारिक रहमान ने बुधवार को साफ कर दिया कि उनकी सरकार देश में बहुप्रतीक्षित पद्मा और तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट्स पर जल्द ही काम शुरू करेगी। यह ऐलान ऐसे समय में हुआ है जब रहमान जल्द ही चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। अब इस पूरे प्रोजेक्ट में चीन की बड़ी आर्थिक भूमिका होने की संभावना बन गई है।

गाजीपुर से किया बड़ा ऐलान : बुधवार दोपहर ढाका के पास गाजीपुर में 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान' की इमारत का शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए रहमान ने यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह बीएनपी सरकार पद्मा बैराज और तीस्ता बैराज दोनों का काम शुरू करेगी। बीएनपी ने तीस्ता मुद्दे को लेकर कई कार्यक्रम चलाए हैं। इसलिए, अगर किसी ने इस दिशा में वास्तव में काम किया है और जमीन तैयार की है, तो वह बीएनपी ही है। सरकार पहले ही उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों (खासकर राजशाही में पद्मा नदी पर) में पद्मा बैराज बनाने की मंजूरी दे चुकी है, और अब प्रधानमंत्री ने तीस्ता बैराज को भी आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखा दी है। चीन दौरे पर टिकी नजरें, अरबों डॉलर की डील संभव तीस्ता बैराज को लेकर की गई यह घोषणा बेहद रणनीतिक

मानी जा रही है। जून के अंत में प्रधानमंत्री रहमान चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि उनकी इस यात्रा के दौरान तीस्ता बैराज सहित कई अन्य अहम प्रोजेक्ट्स की फंडिंग को लेकर चीन के साथ विस्तार से बातचीत होगी। इस पूरे प्रोजेक्ट में अरबों डॉलर का निवेश शामिल होने का अनुमान है।

जल संकट और फरक्का बैराज पर क्या बोले रहमान : देश के जल संकट का जिक्र करते हुए रहमान ने कहा कि सूखे के मौसम में बांग्लादेश को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। उन्होंने सीमाओं के पार बन रहे बैराजों और पानी मोड़े जाने की तरफ इशारा किया। रहमान ने दावा किया कि भारत के फरक्का बैराज की वजह से उनके दक्षिणी क्षेत्र में समुद्र का खारा पानी घुस रहा है। इसका सीधा असर सुंदरबन समेत कई इलाकों पर पड़ रहा है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा, 'खारापन बढ़ने से कई पेड़-पौधे नष्ट हो रहे हैं और जानवर विलुप्त होने की कगार पर हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें यह बैराज बनाना ही होगा ताकि मॉनसून के अतिरिक्त पानी को जमा करके हम उसे सूखे के मौसम में अपने किसानों और आम लोगों को समय पर उपलब्ध करा सकें। भारत के साथ जल बंटवारा और अटका हुआ समझौता बांग्लादेश और भारत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर लंबे समय से असहमति रही है। 1996 में दोनों देशों के बीच गंगा नदी के जल बंटवारे पर एक ऐतिहासिक संधि हुई थी, जिसकी मियाद इसी साल दिसंबर में खत्म हो रही है। अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते को रिन्यू करने के लिए दोनों पक्षों के बीच फिलहाल बातचीत चल रही है। वहीं, तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर अधिकारियों का कहना है कि दोनों देश इस समझौते पर सहमत तो हो गए थे, लेकिन पश्चिम बंगाल के विरोध के चलते इस पर अब तक हस्ताक्षर नहीं हो सके हैं। बताया गया कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस समझौते का विरोध किया था। रहमान के ऐलान और चीन की एंट्री से भारत पर इसका क्या असर होगा? बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान द्वारा तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट के निर्माण का ऐलान और इसके लिए चीन से फंडिंग मांगने की तैयारी ने नई दिल्ली में रणनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने इसी महीने (मई 2026) बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात कर इस करीब 1 अरब डॉलर के मेगा प्रोजेक्ट के लिए औपचारिक रूप से मदद मांगी है। भारत के लिए यह सिर्फ एक जल प्रबंधन परियोजना नहीं है, बल्कि यह उसके पड़ोस में राष्ट्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक प्रभाव से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। भारत पर इसके संभावित असर को इन चार मुख्य बिंदुओं में समझा जा सकता है: 'चिकन नेक' (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) की सुरक्षा पर सीधा खतरा भारत की सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा को लेकर है। तीस्ता नदी का क्षेत्र भारत के रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बेहद करीब है। यह 60 किलोमीटर लंबा और 20 किलोमीटर चौड़ा संकरा रास्ता भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को शेष भारत से जोड़ता है। इस प्रोजेक्ट के बहाने नदी प्रबंधन, निर्माण और इंजीनियरिंग के नाम पर चीन की सरकारी कंपनियों (जैसे- पावर कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना) और चीनी इंजीनियरों की इस इलाके में मौजूदगी भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा 'रेड फ्लैग' है। कूटनीतिक मोर्चे पर भारत के लिए बड़ा झटका यह कदम जल कूटनीति में भारत के लिए एक कड़े संदेश की तरह है।

'युद्ध नहीं, सम्मानजनक कूटनीति ही बेहतर रास्ता': ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन

तेहरान , एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका देश युद्ध के बजाय कूटनीति और संवाद को प्राथमिकता देता है। सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा अपने सभी दायित्वों का सम्मान किया है और युद्ध से बचने के लिए हर संभव रास्ता अपनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कूटनीतिक विकल्प अभी भी खुले हुए हैं।

दबाव से झुकाना भ्रम है- ईरान राष्ट्रपति : पेजेशकियन ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि किसी भी देश को बल या दबाव के जरिए झुकाने की कोशिश करना एक भ्रम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की नीतियां लंबे समय में स्थायी समाधान नहीं दे सकतीं। उनके अनुसार, आपसी सम्मान के साथ की गई कूटनीति ही अधिक समझदारी भरा, सुरक्षित और स्थायी रास्ता है।

ईरान को ट्रंप की चेतावनी : रॉयटर्स ने ट्रंप के हवाले से कहा, सब कुछ खत्म हो गया है। उनकी नौसेना खत्म हो गई है। उनकी वायुसेना खत्म हो गई है। लगभग सब कुछ। अब बस एक ही सवाल है, क्या हम जाकर इसे खत्म कर दें? क्या वे किसी दस्तावेज पर दस्तखत करने वाले हैं? चलिए देखते हैं क्या होता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि वह क्षेत्र में बड़े युद्ध की बजाय सीमित स्तर पर तनाव या हिंसा को बेहतर मानते हैं। उन्होंने कहा, आदर्श रूप से मैं यह देखना चाहूंगा कि बहुत ज्यादा लोगों की बजाय कम

लोगों की जान जाए। हम इसे किसी दूसरे तरीके से भी कर सकते हैं, लेकिन मैं कम नुकसान देखना चाहूंगा। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में खराब आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण लोगों के बीच गुस्सा बढ़ रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के साथ एक सीमित समझौते का मतलब लंबे समय के संघर्षविराम से है, जिसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोलना होगा। ट्रंप ने कहा कि हम इसे एक मौका देने जा रहे हैं। मुझे कोई जल्दबाजी नहीं है। उन्होंने मध्यवर्ती चुनावों के राजनीतिक दबाव को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि वे भारी तबाही के बजाय कम से कम जनहानि देखना चाहते हैं। उन्होंने ईरान की मौजूदा आंतरिक स्थिति पर कहा कि वहां की जनता बेहद खराब दौर से गुजर रही है और वहां सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश और अशांति का माहौल है। गौरतलब है कि अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर 28 फरवरी को हमला किया था। जवाब में ईरान ने इस्राइल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार मिसाइल हमले किए। ईरान ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को ब्लॉक कर दिया, जिससे दुनिया में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा हो गया है।

अमेरिका ने ईरान को कड़ा जवाब दिया है, जरूरत पड़ी तो और सख्ती करेंगे : ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूएस कोस्ट गार्ड अकादमी के दीक्षांत समारोह में छात्रों की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की इमिग्रेशन और आर्थिक नीतियों का बचाव किया और ईरान को लेकर नई चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि तेहरान को कभी परमाणु हथियार बनाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। बुधवार को कनेक्टिकट के न्यू लंदन में 2026 की ग्रेजुएटिंग क्लास को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस समय दुनिया का सबसे चर्चित और ताकतवर देश बन चुका है। उन्होंने कैडेट्स से कहा कि वे ऐसे समय में सेवा में शामिल हो रहे हैं, जब अमेरिका फिर से मजबूत स्थिति में है। ट्रंप ने कहा, 'हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने देंगे। बात बिल्कुल साफ है। उनके पास न्यूक्लियर वेपन नहीं होगा और वे समझौता करने के लिए बहुत बेचैन हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ने उन्हें काफी कड़ा जवाब दिया है और जरूरत पड़ी तो इससे भी ज्यादा सख्ती की जा सकती है। राष्ट्रपति ने अपने भाषण में कई बार कोस्ट गार्ड के हाल के ऑपरेशनों का जि?क्र किया और उन्हें ईरान, ड्रग तस्करी और समुद्री सुरक्षा के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई से जोड़ा। उन्होंने कहा कि कोस्ट गार्ड की टैक्टिकल टीमों ने ईरान से जुड़े प्रतिबंधित तेल जहाजों को पकड़ने में मदद की। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' में कोस्ट गार्ड की अहम भूमिका रही, ताकि ईरानी शासन कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। ट्रंप ने समुद्री कार्रवाई और ड्रग्स के खिलाफ अभियानों का भी जि?क्र किया। उन्होंने कहा कि उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से कोस्ट गार्ड ने घातक नशीली दवाओं की 20.6 करोड़ से ज्यादा खुराक जब्त की हैं। उन्होंने इसे समुद्र में बनी 'स्टील की दीवार' का अहम हिस्सा बताया। भाषण के दौरान ट्रंप ने राजनीति पर भी खुलकर बात की। उन्होंने पिछली सरकार की सीमा सुरक्षा नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका इतिहास की सबसे खराब सीमा स्थिति से निकलकर अब सबसे मजबूत बॉर्डर तक पहुंच गया है।

कौन बनेगा अमेरिका का अगला राष्ट्रपति? जेडी वेंस और मार्को रुबियो में ट्रंप की पसंद कौन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उत्तराधिकारी और साल 2028 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार को लेकर अंदरूनी राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। वाइट हाउस का प्रेस ब्रीफिंग रूम इन दिनों इस आगामी मुकाबले के लिए एक अनौपचारिक ऑडिशन स्टेज में तब्दील हो चुका है। दो हफ्ते पहले विदेश मंत्री मार्को रुबियो के पोडियम संभालने के बाद अब उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भी मीडिया के सामने मोर्चा संभालते नजर आते हैं। वाइट हाउस की नियमित प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के मैटरनिटी लीव पर होने के कारण दोनों बड़े नेताओं को बैक-टू-बैक प्रेस ब्रीफिंग की जिम्मेदारी दी गई, जिसे विशेषज्ञ 2028 की दावेदारी के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहे हैं। मंगलवार को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

ने लगभग एक घंटे तक पत्रकारों के तीखे और उलझाते सवालों का सामना किया। इस दौरान पत्रकारों के एक साथ चिल्लाने और सवाल पूछने की होड़ पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मार्को रुबियो बिल्कुल सही कह रहे थे, यह जगह वाकई किसी अराजकता से कम नहीं है।' वेंस ने पत्रकारों के बैठने की व्यवस्था पर भी हल्के-फुल्के अंदाज में मजाक किया। हालांकि, नीतिगत सवालों के जवाब देते समय उनका लहजा काफी नपा-तुला और संयत था। यह राष्ट्रपति ट्रंप की सीधी और आक्रामक शैली से अलग छाप छोड़ रहा था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जेडी वेंस ने ट्रंप प्रशासन की नीतियों का पुरजोर समर्थन किया। वेंस ने ईरान के खिलाफ उठाए गए कदमों को सही ठहराते हुए प्रशासन के फैसले का बचाव किया। वहीं, राजनीतिक उत्पीड़न के शिकार होने का दावा करने वाले ट्रंप के सहयोगियों को मुआवजा देने के लिए बनाए गए नए 1.7 अरब डॉलर के फंड को उन्होंने जायज ठहराया। ब्रीफिंग के दौरान जब एक पत्रकार ने वेंस को संभावित भावी उम्मीदवार कहकर संबोधित किया, तो वेंस ने तुरंत स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, 'मैं कोई संभावित भावी उम्मीदवार नहीं हूं। मैं अभी देश का उपराष्ट्रपति हूं। मुझे अपना काम बेहद पसंद है और मैं इस जिम्मेदारी को जितनी अच्छी तरह से हो सके इसे निभाने की कोशिश कर रहा हूं।

वेंस या रुबियो, ट्रंप के मन में क्या है : भले ही जेडी वेंस और मार्को रुबियो दोनों ही 2028 की अपनी राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षाओं को सार्वजनिक रूप से तवज्जो नहीं दे रहे हैं, लेकिन खुद डोनाल्ड ट्रंप इस रेस को हवा देने में पीछे नहीं हैं। पिछले हफ्ते वाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित एक डिनर के दौरान ट्रंप ने मेहमानों का मूड भांपने के लिए पूछा, 'जेडी वेंस किसे पसंद हैं? और मार्को रुबियो किसे पसंद हैं?' दोनों ही नामों पर मेहमानों ने लगभग बराबर उत्साह के साथ तालियां बजाईं। ट्रंप ने कहा कि अगर ये दोनों नेता एक साथ चुनावी मैदान में उतरें तो यह एक परफेक्ट टिकट होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी किसी एक को आधिकारिक समर्थन देना बहुत जल्दबाजी होगी।

ट्रंप की नीतियों के खिलाफ चीन-रूस मुखर, कहा- दुनिया बहुध्रुवीय हो रही है; गोल्डन डोम की भी निंदा

बीजिंग, एजेंसी। चीन-रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वर्चस्ववादी नीतियों की कड़ी निंदा की है। बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता के बाद जारी साझा बयान में दोनों देशों ने खुद को बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था यानी ऐसी दुनिया के समर्थक के रूप में पेश किया, जहां किसी एक देश का दबदबा न हो। चिनपिंग ने बिना अमेरिका का नाम लिए कहा कि दुनिया में एकाधिकार और वर्चस्ववादी प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। दोनों देशों को मिलकर एकतरफा दादागिरी का विरोध करना चाहिए और अधिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की रक्षा करनी चाहिए। चीनी समकक्ष की इस बात को पुतिन ने रूस-चीन संबंधों के लिए अभूतपूर्व बताया। साथ ही कहा कि एक बहुकेंद्रित दुनिया बनाने की जटिल प्रक्रिया आकार ले रही है और रूस-चीन साझेदारी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थिरता का बड़ा आधार है। पुतिन-जिनपिंग ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने पर एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

बीजिंग में पुतिन के ग्रेट हाल ऑफ द पीपल में औपचारिक स्वागत के बाद उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। ऐसे में लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है। वहीं, पुतिन ने कहा, रूस और चीन संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे मुख्य हितों की रक्षा के लिए साथ काम करेंगे। मॉस्को और बीजिंग के बीच करीबी रणनीतिक संबंध वैश्विक स्थिरता में अहम भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों ने रणनीतिक सहयोग मजबूत करने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के समर्थन में संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने संयुक्त घोषणापत्र में आधिकारिक तौर पर एकतरफा राजनीतिक प्रभुत्व का विरोध करने का संकल्प लिया और पश्चिमी रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा रियोजनाओं की कड़ी आलोचना की। नेताओं ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार का समर्थन किया। इसमें कहा गया है कि सभी द्विपक्षीय निर्यात-आयात अब अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पश्चिमी वित्तीय प्रतिबंधों से बचाने के लिए सीधे रूबल और युआन में किए जाएं। पुतिन-जिनपिंग ने बहुध्रुवीय दुनिया की वास्तविकताओं को दिखाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के संशोधन करने पर जोर दिया है। संयुक्त घोषणापत्र ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे गैर-पश्चिमी मंचों के जरिए वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देता है। रूस ने चीन को बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति का वादा किया है, जबकि दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग में एकतरफा हस्तक्षेप की निंदा की और समुद्री बुनियादी ढांचे को राजनीतिकरण से मुक्त रखने की अपील की।

क्यूबा पर बढ़ते तनाव के बीच कैरेबियन सागर पहुंचा यूएसएस निमित्ज, अमेरिका ने बढ़ाई सैन्य मौजूदगी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव ने अब सैन्य मोर्चे पर भी हलचल बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज अपने स्ट्राइक ग्रुप के साथ कैरेबियन सागर में पहुंच गया है। यह जानकारी 'द हिल' की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और इस द्वीपीय राष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना है।

क्या है यूएसएस निमित्ज़ स्ट्राइक ग्रुप में खास : अमेरिकी नौसेना के इस शक्तिशाली स्ट्राइक ग्रुप में एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान, ईए-18जी ग्रोवलर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान और सी-2 ग्रेहाउंड सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इसके साथ यूएसएस ग्रिडली विध्वंसक युद्धपोत और स्ह्रस पटक्सेंट ईंधन आपूर्ति पोत भी मौजूद हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस निमित्ज ने ताइवान जलडमरूमध्य से लेकर अरब की खाड़ी तक, स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए दुनिया भर में अपनी युद्ध क्षमता साबित की है।

1975 में कमीशन किए गए इस एयरक्राफ्ट कैरियर ने हाल ही में रियो डी जनेरियो के तट पर ब्राजील की नौसेना के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास में भाग लिया था। यह जानकारी ब्राजील में अमेरिकी दूतावास द्वारा दी गई थी।

ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर बढ़ाया दबाव : रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने हाल के दिनों में क्यूबा के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर 1996 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दो नागरिक विमानों को गिराने से संबंधित हत्या और अन्य अपराधों के औपचारिक आरोप लगाए थे, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। ट्रंप ने इसे क्यूबा-अमेरिकी समुदाय के लिए बड़ा क्षण बताया। ट्रंप ने कहा 'यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल क्यूबा अमेरिकियों के लिए, बल्कि क्यूबा से आए उन लोगों के लिए भी एक बहुत बड़ा क्षण था, जो क्यूबा वापस जाना चाहते हैं, क्यूबा में अपने परिवार से मिलना चाहते हैं।' अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता के नाम स्पेनिश भाषा में संदेश जारी किया। उन्होंने क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार को बिजली संकट और आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। रुबियो ने अमेरिका की ईंधन नाकेबंदी नीति का भी समर्थन किया। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने हाल ही में क्यूबा अधिकारियों से मुलाकात की थी। उन्होंने साफ कहा कि बातचीत की संभावना हमेशा खुली नहीं रहेगी।

पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर अमेरिका ने दर्ज किया आपराधिक मामला, ट्रंप बोले- हम क्यूबा को आजाद करा रहे

मियामी , एजेंसी। अमेरिका के संघीय अभियोजकों ने बुधवार को क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की घोषणा की। राउल कास्त्रो पर 1996 में मियामी स्थित निर्वासित समूह के नागरिक विमानों को मार गिराने के मामले में आपराधिक आरोपों की घोषणा की गई। यह मामला 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' नामक समूह द्वारा संचालित दो छोटे विमानों को गिराए जाने से जुड़ा है। उस समय राउल कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। उन पर हत्या और विमान नष्ट करने सहित कई आरोप लगाए गए हैं। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश और न्याय विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मियामी में आयोजित एक कार्यक्रम में इस मामले की घोषणा की। यह कार्यक्रम विमान हादसे में मारे गए लोगों की स्मृति में आयोजित किया गया था।

मुकदमे पर क्या बोले ट्रंप : कास्त्रो पर अभियोग के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मियामी की क्यूबा भाषी आबादी और निश्चित रूप से मियामी से परे भी अटॉर्नी जनरल ने आज जो किया उसकी सराहना करते हैं। क्यूबा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है।' वहीं, क्यूबा में तनाव बढ़ने की आशंका पर ट्रंप ने कहा, 'नहीं। तनाव नहीं बढ़ेगा। उन्होंने वास्तव में क्यूबा पर अपना नियंत्रण खो दिया है।' ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्यूबा को आजाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में पूर्व क्यूबा के राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के अभियोग के बाद क्यूबा के लोगों की मदद करेगा। ट्रंप ने कहा कि द्वीप राष्ट्र में सीआईए की उपस्थिति और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की क्यूबा से जुड़ी जड़ों के कारण अमेरिका को क्यूबा के बारे में महत्वपूर्ण विशेषज्ञता प्राप्त है।

क्यूबा के राष्ट्रपति ने ट्रंप पर साधा निशाना : क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल बर्मुडेज ने अभियोग की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह

केवल क्यूबा क्रांति के अडिग संकल्प के प्रति अमेरिका के अहंकार और हताशा को उजागर करता है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'यह एक राजनीतिक पैंतरा है, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। इसका एकमात्र उद्देश्य उस मनगढ़ंत दस्तावेज को पुख्ता करना है जिसका उपयोग वे क्यूबा के खिलाफ सैन्य आक्रमण की मूर्खता को उचित ठहराने के लिए करते हैं।' गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से क्यूबा पर दबाव बढ़ाने की बात कर रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद क्यूबा के खिलाफ ईंधन आपूर्ति रोकने सहित कई कदम उठाए थे, जिससे वहां बिजली संकट और आर्थिक दबाव बढ़ा।

क्यूबा और अमेरिका के बीच वार-पलटवार जारी : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता से नई नेतृत्व व्यवस्था और मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था की मांग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अमेरिका क्यूबा के साथ संबंधों में नया अध्याय शुरू करने के लिए तैयार है। वहीं, क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस एफ डी कोसियो ने मार्को रुबियो के बयान पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि वह क्यूबा के बारे में बार-बार गलत दावे कर रहे हैं और देश के लोगों के खिलाफ आक्रामक नीतियों को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि राउल कास्त्रो के अमेरिका की हिरासत में आने की संभावना फिलहाल नहीं दिखती। उन्होंने 2006 में अपने भाई फिदेल कास्त्रो से सत्ता संभाली थी और 2018 में सत्ता हस्तांतरित कर दी थी। हालांकि, 2021 में कम्युनिस्ट पार्टी प्रमुख पद छोड़ने के बाद भी उन्हें पर्दे के पीछे प्रभावशाली माना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, 1995 से 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' समूह के विमान हवाना के ऊपर उड़ान भरकर क्यूबा सरकार के खिलाफ पर्चे गिराते थे। क्यूबा ने अमेरिकी सरकार से इस पर आपत्ति जताई थी और चेतावनी दी थी कि वह अपने हवाई क्षेत्र की रक्षा करेगा। 24 फरवरी 1996 को रूसी निर्मित मिग-29 लड़ाकू विमानों ने हवाना के उत्तर में क्यूबा के हवाई क्षेत्र के पास दो निहत्थे सेसना विमानों को मार गिराया था। इस घटना में विमान में सवार चार लोगों की मौत हो गई थी। पूर्व संघीय अभियोजक गाय लुईस ने कहा कि जांच के दौरान क्यूबा के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े संबंधों के प्रमाण मिले थे।

राहुल गांधी आज भी उसी बालक बुद्धि मानसिकता के साथ बर्ताव कर रहे

–केंद्रीय मंत्री ने कहा– वे अपने पद की प्रतिष्ठा, गरिमा को महसूस नहीं कर रहे

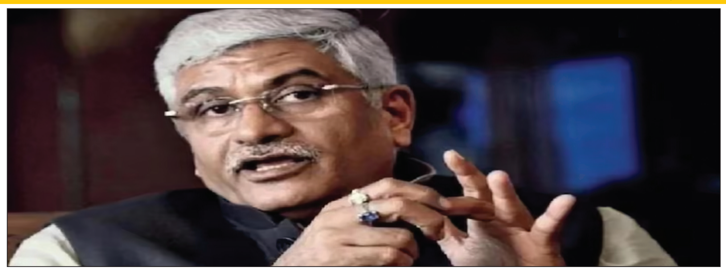

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि वे देश की सबसे पुरानी पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक होने और संसद में नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर बैठने के बावजूद अपने पद की प्रतिष्ठा, गरिमा और उत्तरदायित्व को महसूस नहीं कर पा रहे हैं। शेखावत ने कटाक्ष किया कि बच्चा तो बड़ा हो गया, लेकिन बुद्धि अभी बच्चे जैसी ही बनी है। वे आज भी उसी बालक बुद्धि मानसिकता के साथ बर्ताव कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि आज पूरी वैश्विक व्यवस्था चरमराई हुई है। दुनिया एक टर्बुलेंट जियोपॉलिटिकल सिचुएशन से गुजर रही है। विश्व अब मल्टीपोलर हो चुका है। ऐसे संकट के समय में पूरी दुनिया भारत की तरफ देख रही है और हर देश भारत को अपना पार्टनर बनाने के लिए आतुर है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह बेहद सफल यात्रा देश के व्यापक हितों और भविष्य के विकसित भारत के निर्माण के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक रही है। इस दौरान कटिंग एज टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, डिफेंस इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग, नॉर्डिक देशों के साथ वॉटर टेक्नोलॉजी और नॉर्वे के साथ मोबिलिटी एग्रीमेंट जैसे बेहद अहम समझौते हुए हैं। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के हितों के संरक्षण के लिए पीएम मोदी का यूनाइटेड अरब अमीरात का दौरा भी रणनीतिक रूप से बहुत अहम था।

शेखावत ने कहा कि दुर्भाग्य से उस बालक बुद्धि ने देश के व्यापक हितों से जुड़े इन गंभीर और ऐतिहासिक वैश्विक समझौतों को लेकर भी बचकानी टिप्पणियां कीं। गैर- जिम्मेदाराना बयानबाजी की और देश में एक फॉल्स नैरेटिव खड़ा करने की नाकाम कोशिश की। शेखावत ने पूर्व पीएम राजीव गांधी से जुड़ा एक उदाहरण सामने रखा। उन्होंने याद दिलाया कि जब तत्कालीन पीएम राजीव गांधी श्रीलंका के दौरे पर थे और गार्ड ऑफ ऑनर के समय उन पर हमला करने की कोशिश की गई थी, तब बीजेपी विपक्ष में थी और सदन में बीजेपी के 121 सांसद थे, जो कांग्रेस के मौजूदा 99 सांसदों की संख्या से कहीं बड़े थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष में होने के बावजूद हमने उस हमले को किसी एक दल या नेता पर नहीं, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा और संप्रभुता पर हमला माना था। बीजेपी ने पूरी ताकत के साथ तत्कालीन कांग्रेस सरकार का साथ दिया था और उसकी कड़ी निंदा की थी। भारत में यह परंपरा रही है कि पीएम जब भी देश से बाहर जाते हैं तो सभी दल देश के व्यापक हितों को सर्वोपरि रखते हैं और कभी उन पर आपत्तिजनक टिप्पणियां नहीं करते, लेकिन आज राहुल गांधी इस महान परंपरा को मटियामेट कर रहे हैं। शेखावत ने कहा कि देश की जनता अब उनके इस रवैये को अच्छी तरह समझ चुकी है। हाल में पांच राज्यों में हुए चुनावों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि देश की जनता ने चार राज्यों में कांग्रेस को नकार दिया है। उन्होंने तंज कसा कि राहुल गांधी की इसी बच्चा बुद्धि और कमजोर लीडरशिप के कारण कांग्रेस अब सिमटते-सिमटते दक्षिण में सिर्फ केरल और उत्तर में हिमाचल प्रदेश जैसे एक छोटे से राज्य तक ही सीमित रह गई है। शेखावत ने कहा कि जिस तरह की मानसिकता के साथ कांग्रेस की लीडरशिप काम कर रही है, अब तो बस इसी बात का इंतजार है कि जनता कब इन्हें राजनीतिक हाशिए से भी पूरी तरह खत्म कर देगी।

नारनौल में पारदी गैंग का एनकाउंटर : सात बदमाश पकड़े गए, दो घायल

-पकड़े गए सभी आरोपी मध्यप्रदेश के निवासी

गुरुग्राम (एजेंसी)। नारनौल में सीआईए (क्राइम इंस्टिगेशन एजेंसी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय पारदी गैंग के सात शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हुड्डा सेक्टर के पास हुई साहसिक मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी, इसके बाद उन्हें इलाज के लिए महेंद्रगढ़ अस्पताल में भर्ती किया गया। यह पखवाड़े भर में हुई एनकाउंटर की दूसरी घटना है, जो एसपी के बदमाशों के खिलाफ सख्त एक्शन को दर्शाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब सवा तीन बजे सीआईए को सूचना मिली थी कि यह गैंग नारनौल में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाली है। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी नियंत्रित फायरिंग की। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी मध्य प्रदेश निवासी हैं। इनमें से एक पर 15,000 रुपये और दूसरे पर 5,000 रुपये का इनाम घोषित था। करीब एक पखवाड़े पहले यही गैंग भिवानी और महेंद्रगढ़ में रात के समय रेकी करते हुए सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ था। पुलिस को अंदेशा है कि इस गैंग के पकड़े जाने से कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के घर पर हुए हमले की वारदात का भी खुलासा हो सकता है। पुलिस ने मौके से एक स्वचालित पिस्तौल, देसी कट्टा, कारतूस, वारदात में इस्तेमाल होने वाली गुलेलें, सरिया और वायर कटर भी बरामद किए हैं। पुलिस फिलहाल बदमाशों से गहन पूछताछ कर रही है।

पश्चिम बंगाल : टीएमसी नेताओं पर कार्रवाई तेज, वासूल गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव के बाद से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में, टीएमसी मजदूर संघ इकाई के अध्यक्ष शेख वासूल को लोगों को डराने-धमकाने, धोखाधड़ी करने और चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोपों में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दुर्गापुर-फरीदपुर ब्लॉक के लाउदोहा इलाके से देर रात छापा मारकर शेख वासूल को पकड़ा। सूत्रों के अनुसार, टीएमसी नेता वासूल पर नौकरी दिलाने के झूठे वादे करके लोगों से मोटी रकम वसूलने और इलाके में अपना दबदबा बनने के लिए भय का माहौल पैदा करने का आरोप है। सूत्रों ने दावा किया कि उस पर विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने का दबाव बनाने के आरोप थे, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ा था। गिरफ्तारी के वक्त वासूल ने खुद को निर्दोष बताकर कहा कि वह 15 साल से पार्टी में है और उसके खिलाफ पहले कभी कोई शिकायत नहीं हुई। बताया जाता है कि उसके खिलाफ लंबे समय से कई शिकायतें दर्ज थीं। शुक्रवार सुबह वासूल को दुर्गापुर उपमंडल न्यायालय में पेश किया गया। यह कार्रवाई तब हुई है, जब राज्य में राजनीतिक बदलाव के बाद से टीएमसी नेताओं पर केंद्रीय एजेंसियों की पकड़ मज़बूत हुई है। हाल ही में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस को नगर निगम भर्ती घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया था, जो हालिया बड़ी गिरफ्तारियों में से एक थी। ईडी सूत्रों के मुताबिक, बोस पर दक्षिण दमदम नगर पालिका के अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए करीब 150 उम्मीदवारों की सिफारिश करने के बदले आर्थिक लाभ लेने का आरोप है। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि उसने कथित तौर पर कई लोगों को नगर निगम में नौकरी दिलाने में मदद करने के बदले फ्लैटों के रूप में अपराध की आय अर्जित की थी। जांचकर्ताओं ने दावा किया है कि उनसे जुड़े बैंक खातों में बड़ी मात्रा में नकदी जमा है। बोस को इस मामले में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश होने के कुछ ही घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया था।

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, पंजाब सरकार का बड़ा अभियान

चंडीगढ (एजेंसी)। आवारा कुत्तों और पशुओं से बढ़ते खतरों पर सर्वोच्च न्यायालय की कड़ी टिप्पणी के बाद पंजाब सरकार हरकत में आई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की है कि राज्य में बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कल से आवारा तथा खतरनाक कुत्तों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू होगा। मुख्यमंत्री मान ने इस फैसले के लिए सर्वोच्च न्यायालय का धन्यवाद भी किया है। सीएम मान के अनुसार, पंजाब सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर व्यापक कार्रवाई करेगी। इस घोषणा के साथ ही प्रशासनिक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। संबंधित विभागों को तत्काल तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। शहरी क्षेत्रों में नगर निकाय, जबकि ग्रामीण इलाकों में पशुपालन तथा पंचायत विभाग मिलकर इस अभियान को अंजाम देगी। यह अभियान सड़कों, राजमार्गों, स्कूलों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष रूप से केंद्रित रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि इन क्षेत्रों से आवारा कुत्तों की मौजूदगी रोकना प्रशासन की सीधी जिम्मेदारी है। पकड़े गए पशुओं को निर्धारित आश्रय स्थलों में रखा जाएगा, जहाँ उनके लिए भोजन, पानी और चिकित्सा की पर्याप्त व्यवस्था होगी। शीर्ष अदालत ने संस्थानों को अपने परिसरों की मजबूत घेराबंदी करने, नोडल अधिकारी नियुक्त करने और कुत्तों की नसबंदी तथा टीकाकरण के बाद उन्हें दोबारा उन्हीं परिसरों में न छोड़कर निर्धारित डॉग शेल्टर में रखने का भी निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, राजमार्गों पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु चौबीस घंटे गश्त करने वाली विशेष टीमें गठित करने और हेल्पलाइन नंबर वाले बोर्ड लगाने के आदेश दिए गए हैं। सभी अस्पतालों में एंटी रेबीज वैक्सीन का पर्याप्त भंडार रखने तथा स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हर जिले में कम से कम एक पशु जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित करने पर भी जोर दिया है। अदालत ने चेतावनी दी है कि आदेशों के पालन में लापरवाही होने पर संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

थिरुवनचूर राधाकृष्णन चुने गए केरल विधानसभा के स्पीकर, सभी दलों ने दी बधाई

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। सात बार के कांग्रेस विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को शुक्रवार को केरल विधानसभा का अध्यक्ष चुन लिया गया। यह चुनाव एक ऐतिहासिक त्रिकोणीय मुकाबले के बाद हुआ, जिसने राज्य में नए राजनीतिक समीकरणों को उजागर किया। केरल विधानसभा के स्पीकर पद के चुनाव में पहली बार ऐसा हुआ है कि सदन में प्रतिनिधित्व करने वाले तीनों राजनीतिक गठबंधनों ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे थे। सत्तारूढ़ यूडीएफ ने अनुभवी विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया जबकि वाम मोर्चे ने पूर्व मंत्री एसी मोइदीन को मैदान में उतारा और एनडीए ने अपने तीन सदस्यीय दल के सदस्य बीबी गोपकुमार को प्रत्याशी बनाया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोटेम स्पीकर जी सुधाकरण ने रिटर्निंग ऑफिसर की भूमिका निभाई और मतदान में हिस्सा नहीं लिया। कुल 139 विधायकों ने मतदान किया। परिणाम घोषित करते हुए उन्होंने बताया कि राधाकृष्णन को 101 वोट मिले, मोइदीन को 35 और गोपकुमार को 3 वोट मिले। घोषणा के बाद सदन में जोरदार मेज-थपथाई गई और दलों के सदस्य उन्हें बधाई देने आगे आए। एक प्रतीकात्मक और संसदीय परंपरा को दर्शाने वाले दृश्य में सीएमए वीडी सतीशन और विपक्ष के नेता पिनराई विजयन ने संयुक्त रूप से नए स्पीकर को उनकी कुर्सी तक पहुंचाया। सीएम सतीशन ने उन्हें विनम्र और परिपक्व व्यवहार वाला आदर्श नेता बताते हुए कहा कि वे पहले छात्र आंदोलन के दिनों में भी उनके लिए नारे लगाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि राधाकृष्णन ने करीब 17 विभाग संभाले हैं और अपने क्षेत्र के विकास पर लगातार ध्यान दिया है। विजयन ने भी उनके लंबे संसदीय और सार्वजनिक जीवन के अनुभव की तारीफ की और विश्वास जताया कि वे अपनी नई जिम्मेदारी को प्रभावी ढंग से निभाएंगे।

दिल्ली में हर कहीं नहीं दे सकते कुर्बानी

–नहीं माने तो होगी सख्त कार्वाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बकरीद के मद्देनजर दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने पशु कल्याण संबंधी कानूनों का सख्ती से पालन करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली की सड़कों, गलियों, बाजारों या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कुर्बानी देने और पशुओं की खरीद-बिक्री करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। कुर्बानी केवल सरकार द्वारा निर्धारित वैध स्थलों पर ही की जा सकेगी। विकास मंत्री ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि दिल्ली में गाय, बछड़े, ऊंट और अन्य प्रतिबंधित पशुओं की हत्या या कुर्बानी पर पूरी तरह रोक है।

यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है और ऐसा करने वालों पर सीधे आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाएगा। नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विकास मंत्री ने अवैध पशु परिवहन, अवैध कुर्बानी और पशु क्रूरता के मामलों में विशेष निगरानी रखने और कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।सरकार ने साफ किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।इसके अलावा, स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी सख्त हिदायत दी गई है। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि कुर्बानी के बाद कचरे को नालियों और सड़कों पर फेंकने या सीवर में वेस्ट और खून बहाने पर पूरी तरह रोक रहेगी। इससे गंदगी और बीमारियां फैलने का खतरा रहता है, इसलिए ऐसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार ने आम जनता से भी इन नियमों का पालन करने की अपील की है। मंत्री ने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति इन गाइडलाइंस का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है, तो नागरिक तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दें ताकि दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जा सके।

भोजशाला को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर, आदेश के बाद पढ़ेंगे नमाज

–अब्दुल समद ने कहा– मुस्लिम समाज ने हमेशा सौहार्द और शांति का पालन किया

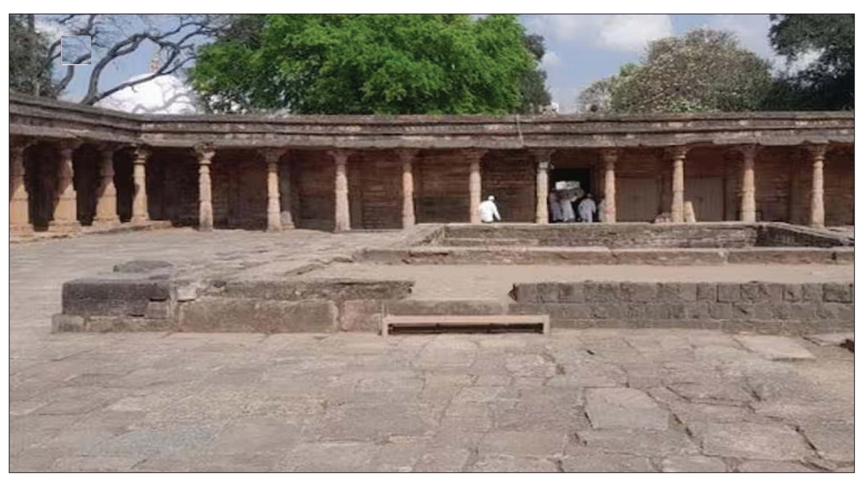

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला को लेकर बड़ा बदलाव सामने आया है। हाईकोर्ट ने 15 मई को दिए गए अपने फैसले में भोजशाला परिसर को मंदिर बताया है। वहीं, इस फैसले के बाद अब मुस्लिम समाज को यहां नमाज पढ़ने की परमिशन नहीं दी गई है। यह पहला शुक्रवार है जब भोजशाला में जुम्मे की नमाज नहीं होगी। इस फैसले के बाद सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए परिसर और आसपास पुलिस बल तैनात है। प्रशासन ने इलाके में शांति बनाए रखने के लिए कड़े इंतजाम उठाए हैं। कोर्ट के आदेश के मुताबिक शुक्रवार के दिन हिंदू समुदाय को पूजा-अर्चना की अनुमति दी गई है और वे पूरे दिन धार्मिक कार्यक्रम कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष अब्दुल समद ने कहा कि उनकी ओर से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की गई है। उन्होंने बताया कि जो मुद्दा वे हाईकोर्ट में नहीं उठा सके, उसे अब सुप्रीम कोर्ट के जरिए रखा जाएगा। उनका कहना है कि वे यह साबित करने की कोशिश करेंगे कि वहां लंबे समय से नमाज अदा की जाती रही है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद वे फिर से नमाज शुरू करेंगे। उन्होंने सभी से शांति बनाए रखने की अपील की। सोसाइटी ने हमेशा सौहार्द और शांति का पालन किया है और आगे भी इसी तरह शांति बनाए रखेगी। मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट के इस फैसले को गलत बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। समद खान ने कहा कि मुस्लिम समाज न्यायालय के फैसले का सम्मान करता है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस मामले में एसएलपी दायर कर दी गई है और जल्द ही स्टे मिलने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक सुप्रीम कोर्ट से कोई नया आदेश नहीं आता, तब तक मुस्लिम समाज भोजशाला परिसर में नमाज नहीं पढ़ेगा और लोग अपने घरों या नजदीकी मस्जिदों में जुम्मे की नमाज अदा करेंगे।

वहीं शहर काजी वकार सादिक ने भी कहा कि समाज शांति बनाए रखे और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है और वहां से जो भी फैसला आएगा, उसका पालन किया जाएगा। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि भोजशाला एक मंदिर और संस्कृत शिक्षा का केंद्र रहा है। इसके साथ ही परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का नियंत्रण जारी रहेगा। इस फैसले के बाद से क्षेत्र में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम शुरू

– सिलीगुड़ी में नई सरकार के फैसले से ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

सिकंदराबाद (एजेंसी)। सिलीगुड़ी (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में सिलीगुड़ी अनुमंडल के फांसीदेवा क्षेत्र में शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीली बाड़ (फेंसिंग) लगाने का काम शुरू हो गया। यह कदम राज्य सरकार द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 27 किलोमीटर भूमि के साथ-साथ बॉर्डर आउटपोस्ट और अन्य बुनियादी ढांचे के लिए अतिरिक्त जमीन सौंपने के बाद उठाया गया है। इससे संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था काफी मजबूत होने की उम्मीद है। इस विकास कार्य से स्थानीय सीमावर्ती निवासियों ने भारी राहत व्यक्त की है। लंबे समय से असुरक्षा का सामना कर रहे ग्रामीणों ने इसे एक बड़ा और जरूरी कदम बताया। स्थानीय निवासी अनिल घोष ने कहा, इस सीमावर्ती इलाके में पहले सुरक्षा नाम की कोई चीज नहीं थी। यहां का माहौल इतना खौफनाक था कि बयां नहीं किया जा सकता। हम मवेशी तक नहीं पाल सकते थे, क्योंकि उन्हें पालने का मतलब बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के हवाले करना था। यह सिर्फ बंगाल की नहीं, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा का मामला था। आज नई सरकार और नए मुख्यमंत्री के प्रयासों से हम खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। एक अन्य ग्रामीण नारायण साहा ने बताया कि पहले की मांगें अनसुनी कर दी गई थीं, लेकिन सुवेंदु अधिकारी के कार्यभार संभालते ही महज 10 दिनों के भीतर बीएसएफ को खुली छूट मिल गई, जिससे अब लोग चैन की नींद सो सकेंगे। ग्रामीण शिवम मोदक ने भी इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद अहम बताया। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय के बाद यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने जमीन देने में सहयोग नहीं किया, जिससे सीमा सुरक्षा प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि पहली कैबिनेट बैठक में ही जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला लिया गया था, जिसे 45 दिनों के भीतर केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंप दिया जाएगा ताकि बीएसएफ बाड़ लगाने का काम पूरा कर सके।

कॉकरोच जनता पार्टी से चुनाव लड़ने का मन है : अब्बास अंसारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर पूर्वांचल के राजनीतिक गलियारों में सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी बीच मऊ सदर सीट से विधायक और दिवंगत मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने सबको चौंका दिया है। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पहुंचे अब्बास अंसारी से जब साइकिल के सिंबल पर चुनाव लड़ने को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि उन्हें कॉकरोच जनता पार्टी पसंद आ रही है और वह इसी के सिंबल पर चुनाव लड़ने की सोच रहे हैं। विधायक का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते अब्बास अंसारी ने व्यंग्य करते हुए कहा कि एक कॉकरोच पार्टी आई है और वह सोच रहे हैं कि क्यों न उसी से चुनाव लड़ा जाए। उन्होंने कहा कि इस काल्पनिक पार्टी के मुद्दे उन्हें काफी पसंद आ रहे हैं और उनके कई जानने वाले लोग इसमें शामिल भी हो चुके हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हंसते हुए कहा कि अगर यहाँ इसका कोई कार्यालय खुला हो, तो उन्हें भी सदस्यता दिला दी जाए। दरअसल, अब्बास अंसारी ने जिस कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जिक्र किया, वह कोई वास्तविक राजनीतिक दल नहीं है। यह सोशल मीडिया पर शुरू हुआ एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान (डिजिटल मूवमेंट) है, जिसे विदेश में रहने वाले एक भारतीय युवक अभिजीत दिपके ने शुरू किया था। युवाओं के बीच यह अभियान बेहद कम समय में काफी लोकप्रिय हो गया है। अब्बास अंसारी लंबे समय के बाद अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय नजर आए हैं। वह सबसे पहले पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने एसपी कमलेश बहादुर से मुलाकात कर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की प्रति सौंपी और जिला प्रशासन को अपने क्षेत्र भ्रमण की जानकारी दी। इसके बाद वह समाजवादी पार्टी के कार्यालय पहुंचे और जिलाध्यक्ष दूधनाथ यादव व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ करीब एक घंटे तक बैठक की। अब्बास अंसारी ने स्पष्ट किया कि अब वह अपने विधानसभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ही क्षेत्र में उनकी यह सक्रियता अचानक बढ़ गई है।

जल्द खत्म हो जाएगा पेट्रोल-डीजल? एलपीजी के लिए मचेगा हाहाकार!

–बाबा वेंगा की डरा रही है भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)।इस वक्त पूरा विश्व बड़े ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पहले से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त थी, और अब अमेरिका व ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस संकट को और गहरा कर रहा है। भू-राजनीतिक तनाव के इस माहौल के बीच, बुल्गारिया की भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की एक कथित भविष्यवाणी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है, जिसने आम जनमानस की चिंताओं को बढ़ा दिया है। अतीत में उनकी कई भविष्यवाणियों के सच होने के दावों के कारण लोग इस नई चेतावनी को लेकर भी आशंकित हैं।

इंटरनेट पर चल रहे दावों के अनुसार, बाबा वेंगा ने वर्ष 2026 के लिए एक बड़ी चेतावनी दी थी, जिसके मुताबिक दुनिया को एक भीषण ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में अत्यधिक कमी आने की बात कही गई है। वर्तमान परिस्थितियों को देखें तो कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने की आशंका इस डर को और पुख्ता कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह रणनीतिक जलमार्ग बाधित होता है, तो यातायात के साधनों में ठहराव आ सकता है।

इस संकट का असर केवल ईंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि एलपीजी और सीएनजी की कीमतों में भी भारी उछाल देखने को मिल रहा है। इसका सीधा असर आम आदमी की रसोई के बजट पर पड़ रहा है। कई देशों में डीजल के लिए वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं, वहीं ढाबों और होटलों में जरूरत के मुताबिक गैस सिलेंडर न मिलने से मुश्किलें बढ़ गई हैं। विश्लेषकों का कहना है कि जब तक ईरान-अमेरिका संघर्ष पर विराम नहीं लगता, तब तक वैश्विक सप्लाई चेन का सामान्य होना मुश्किल है। हालांकि, बाबा वेंगा की इन भविष्यवाणियों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन वर्तमान भू-राजनीतिक स्थितियां इस संकट को हकीकत में बदलती हुई दिखा रही हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com